श्रीमानो हम यीशु से मिलना चाहते हैं
Sirs, we would see JESUS

[भाई ब्रन्हम नेविल के साथ बाते करते है जब यह मंडली Only Believe गाती है-सम्पा.]

[भाई नेविल कहते है आज रात्रि हम बहुत आनन्दित है, भाई ब्रन्हम मुझ से पूछ रहे थे यदि मेरे पास कोई संदेश है, आज रात्रि उनका मुझ पर अधिकार ही नहीं था परन्तू वह मुझ पर अधिकार जताते नहीं है आमीन; मैं प्रसन्न हूं, क्योंकि मैंने कहा मेरे लिए बहुत आदर की बात है कि वे यहां है, और मैं किसी भी बात से अधिक उत्साहित हूं जो मुझे बडे दिन से है, यह जानते हुए कि वह यहां पर है, और इसलिए प्रभु उनको आशीषित करे जैसे कि आज रात्रि वह यहां पर है यदि वह यहां खड़े हो यह अच्छा होगा, परमेश्वर की महिमा हो! परन्तु मैं आनन्दित हूं कि वह यहां पर है, जैसे कि वह यहां आते हैं प्रभु उन्हें आशीष दे''-सम्पा.]

धन्यवाद भाई नेविल धन्यवाद

2 मित्र शुभ संध्या, मैं भाई नेविल से कह रहा था, इस दोपहर बाद मैंने उनसे उनके घर पर फोन पर सम्पर्क करने की कोशिश की, मैंने नीचे जोर्जिया के लोगों से कहा और पिछले सप्ताह आस पास के लोगों से मै नहीं समझता कि मैं आज यहां होऊगा क्योंकि बहुत से लोग आते है

3 और फिर भी आप जानते है छोटे बच्चे आप उन्हें कोई अन्तर नहीं समझा सकते उनके लिए तो बस यह बड़े दिन का समय है और

उन्हें छोटा मोजा लटकाना नहीं है कि कुछ होगा यह तो यहां तक की हमारे राष्ट्र में रीति है कि वे एक मोजा लटकाते है और कुछ इस प्रकार से जब मैं छोटा था तो मैंने यह क्यों किया, यद्यपि यह पवित्र वचन से हट कर है, जैसे कि यह लकीर पीटना है, फिर भी बच्चे दूसरे बच्चो को कहते सुनते हैं ''भाई मुझे बडे दिन के लिये यह मिला है'' और छोटा बच्चा वहां खड़ा हुआ, देखता है आप जानते है, आप, आप उन्हें समझ नहीं सकते, देखा? इसलिए यहां टिकने के लिए बड़ा दिन है जी हां

4 और यह हमारे प्रभु का जन्मदिन नहीं है वह समय जब वह जन्मा, अब यदि आप आप अपने ग्लोब को ले और देखें और यहूदिया भूमध्य रेखा से कितना नीचा जैसा कि यह इसके ऊपर है इसलिए हम पाते है यहूदिया में उन पहाड़ो पर वहां बर्फ होती है ओह! वहां यहां से अधिक बर्फ होती है, इसलिए चरवाहे इस समय में पहाड़ो पर नहीं होते कि भेड़ो को चराये

5 और दूसरी बात, यह सारी प्रकृति के विपरीत है समझे? मेम्ने आदि वंसत में जन्मते हैं ना कि इस समय में, मेम्ने इस समय में नहीं जन्मते, भेड़ी इस समय मेम्ना नहीं जन्माती और आप देखिए वह परमेश्वर का मेम्ना है आप समझे, वह अप्रैल महीने के लगभग में जन्मा जैसा कि दावा करते हैं, अप्रैल के मध्य में कुछ ऐसा है

6 परन्तु यह दिसम्बर का 25 होने के नाते क्यों वह इसका जन्मदिन मानते है, वह सूर्य देवता समझे? रोमी बल सूर्य-देवता समझे? सूरज अब ठीक आधे के आस-पास होता है और 20 से 25 तक जब रोमी सरकार, सूर्य देवता के जन्म का मनाना

और इसलिए उन्होंने कहा ''अच्छा मसीही और पागान दोनों को खुश करने के लिये, बजाये सूर्य देवता के, परमेश्वर के पुत्र और सूर्य-देवता को एक साथ कर देंगे, इसलिए इस सब को एक समय मिला कर एक ही जन्म दिवस बना देंगे और इसे 25 दिसम्बर को कर देंगे

इसीलिए प्रतीत होता है कि पागन और कहलाने वाले मसीहो को खुश करने को, रोम कि पहली कलीसिया.....यह उनके लिए ठीक था,

उन्होंने चिन्ता नहीं की इसलिये उन्होंने सूर्य-देवता और परमेश्वर के पुत्र दोनों का जन्मदिन एक कर दिया

7 अब सबसे लम्बा दिन वर्ष में लगभग 21 या 22 मेरा मतलब सबसे लम्बी रात, मेरा अर्थ वर्ष की वह लगभग 21 या 22 थी जबकि सूर्य मंडल में सूर्य वापस आने को होता, वापस आ रहा है अब वे कुछ सेकंड या मिनटो का अधिक होगा और फिर जून या जुलाई हमारे पास वर्ष का सबसे लम्बा दिन होता है

8 इसलिए केवल यहां बड़ा दिन ठहराने के लिये, इसलिए हम इसमें कुछ नहीं कर सकते

बिना, ट्यूब के टायर टिकाने के लिए मुझे पसन्द नहीं परन्तु वे यहां है ओह यह ठीक है

9 अधनंगी स्त्रीयां, वे यहां ठहरने के लिए, छोटे-छोटे वस्त्र वे यहां टिके हुए हैं यही सब, वे सारे समय छोटे होते चले जाते हैं तो इसमें हम इस विषय में कुछ नहीं कर सकते, बस मैं यह कहता हूं कि यह गलत है, रुके रहे और ठीक है

10 पाप यह यहां टिकने के लिये, यहां ये टिकने के लिए, हम आगे इसे लेने जा रहे हैं जब तक यीशु नहीं आता और ये सारी चीजे यहीं टिकने वाली हैं

अब मैं विश्वास नहीं करता.....

11 मैं इसे और स्पष्ट कर दूं, मैं विश्वास नहीं करता कि यीशु इस बात की चिन्ता करेगा कि आपने उसके जन्मदिन की आराधना किस दिन की, यदि यह 25, 26 या चाहे अप्रैल, मई, जून यह कुछ भी हो सकता है, बस आप आराधना करते हैं आप उसकी आराधना किसी भी दिन करते हैं

12 परन्तु यहां जो वह है उन्होंने बड़े दिन कि पवित्रताई हटा दी, कि उसे बड़ा दिन नहीं होने दिया एक आराधना का दिन बल्कि आनन्द मनाने का दिन

देखिए? हम नहीं करते.....आपने लोगों को कहते सुना है कि ''हम बड़ा दिन मनाने जा रहे हैं'' यह गलत है, हमें बड़ा दिन कभी

नहीं मनाना चाहिए, बड़ा दिन आराधना का दिन है, ना कि मनाने का

13 हम लिंकन का जन्मदिन मनाते हैं, हम वांशिगटन का जन्मदिन मनाते हैं, यदि आप नीचे दक्षिण में हैं, तो हमें ली का जन्मदिन मनाना चाहिए या-या जैकसन का, उनके जन्मदिन मनाने के लिए हैं

14 मसीह का जन्मदिन, मै विश्वास करता हूं वह दिन पवित्रताई और आराधना का होना चाहिए। बजाए आज रात्रि, लोग आराधनालय में अपने घुटने पर, प्रार्थना, परमेश्वर को धन्यवाद देना उस बड़े दिन के वास्तविक दान के लिए

15 ऊंची ऐडी की जूतियां और रंगे हुए चेहरे, पीछे से नूकीले दो भाग के कोट, शराब के बर्तन एक दूसरे को देना और हजारों हजार डोलर की शराब और सिगार और सिगरेट आज रात्रि बांटी जाएगी जब की हजारों निर्धन, छोटे भूखे बालक बिना निवाले के या उनके सिर रखने कि जगह नहीं

16 आराधना, जिसकी हमें आवश्यकता है यही हमारे पास मनाने को ओह यह ठीक है, यही क्या ठीक नहीं, परन्तु हम इसे नहीं रोक सकते यह यही टिका है, हमारे पास बड़ा दिन वैसा ही होने जा रहा है

17 और Christmas शब्द Christmas मसीह के लिए Mass से आया है मसीह की मास C-h-r-i-s-t-m-a-s समझे मसीह का खीस्तयाग यह कैथोलिक रीति है

18 और मेरे छोटे वाले, मेरी लड़की का एक मैं उसे याद नहीं कर सक रहा हूं बीकी उस दिन उसे एक कहानी लिखनी थी उस पौराणिक रहस्य पर, और मैंने कहा ''बस सेंटा क्लोस पर लिखो'' यह यही है

19 सेंटा क्लोस ने मसीह का स्थान ले लिया और सेंटा क्लोस जैसा कभी कोई व्यक्ति नहीं हुआ यह पूरी रीति से कैथोलिक रीति रिवाज है, इसका प्रोटेस्टेन्ट से कोई लेना देना नहीं या इस विषय में कुछ या बड़ा दिन या मसीह के जन्म से बिल्कुल नहीं परन्तु सेंटा को यही होना है, परन्तु किसी दिन मसीह यहां रहने को आएगा, यही जिसकी हम राह देख रहे हैं

20 अब, मैं निश्चय ही चाहूंगा कि भाई नेविल आज रात्रि इस प्रचार मंच को ले रहे हैं, क्योंकि मैंने लोगों को कह दिया है कि आज मैं अलग रहूंगा और यदि मैं आया और कुछ भी कहता हूं, मैं इसका टेप बनाऊंगा, और मैं आशा करता हूं कि वे.....क्या आपका टेप चल रहा है, क्या आपने? [कोई कहता है ''जी हां'', संपा.] टेप बनाए, चाहे यदि पवित्र आत्मा सभा में समय के चलते कुछ बोले यह वह हो सकता है कि वे चाहेंगे, वे इसे सुन सकते हैं समझे?

21 मेरे पास कुछ पवित्र लेख हैं और आदि-आदि यहां लिखे हैं एक मूल पाठ और मैं नहीं जानता और मैं विश्वास करता हूं कि प्रभु इसे आशीषित करेगा, परन्तु इसकी यह बात है अक्सर रविवार रात्रियों में लोग यहां से लगभग 9 या दस मिनट के बाद निकल जाते हैं और आप के लिए अच्छा होगा कि एक से पहले बाहर चले जाये

22 इसलिए मैं समझता हूं कि वहां घड़ी है [भाई नेविल कहते हैं यह ठीक बात है-संपा.] क्या? कुछ मध्य रात्रि की सभा? [नहीं यहां आज रात नहीं] मेरा मतलब.....नहीं, आज रात नहीं, नहीं उसने यह सोच, हो सकता है मैं इसमें गड़बड़ा गया हूं, यह नए साल की रात है

23 भाई हम एक महान समय की आशा कर रहे हैं, नए साल की रात, वह समय है जहां हम, हर एक, सारे भाई आते हैं और हमारी एक महान संगति एक दूसरे के साथ उस नए साल की रात में

24 अब, परन्तू मैं इस विषय में आप लोगों को छेड़ रहा था और मैं आशा करता हूं कि यह टेप पर नहीं हैं

25 टेप बनाते हुए उस दिन कहा, मैंने इस चीज को बहुत बार उछाला, और मैंने उस टेप को खराब कर दिया उस पर मसीहत विरुद्ध पागानवाद टेप खराब हो गए थे

इसलिए यदि टेप चलाए जा रहे है यां भीतर आ रहे है मैंने चाहा है कि जो कोई लेना चाहता है दरवाजे पर आएगा और दरवाजा खोलेगा या ऐसे ही कुछ, इसलिए मैं जान जाऊंगा कि अब चालू है, मैं देखुंगा कि किस ओर बात को घुमाया जाए, यदि यह चल रहा है अच्छा ठीक है यह अच्छा है, मैं इसे पूरा करने जा रहा

हूं, इसे दूसरी ओर से लेने जा रहा हूं, मैं इसके लिए अभ्यस्त नहीं था।

26 अच्छा अब मैं उस सुअवसर को लेने जा रहा हूं कि इस कलीसिया को धन्यवाद दूं और यह अच्छी चीज के लिए एक सदस्य है जो कि आपने मुझे बड़े दिन के लिए दिया है, थोड़ी देर पहले मेरा पुत्र अन्दर आया और मुझे एक बड़ा बोक्स दिया और मैं अपने अध्ययन कक्ष में था अध्ययन कर रहा था और मैंने इसे खोला और एक नए सूट का कपड़ा मुझे मिला जो इस आराधनालय कि ओर से था।

और बहुत सी छोटी-छोटी व्यक्तिगत चीजे जो लोगों ने मुझे भेजी, जो वहां है, मैंने तब तक नहीं खोला जब तक जोई आज रात्रि नहीं आ गया और अपना वाला खोला और तब.....निश्चय ही मैं इसकी सरहाना करता हूं, प्रभु आपको अशीष दे।

मेरी इच्छा थी कि मैं हर एक को बड़े दिन का ईनाम दू मैं यह नहीं कर सकता, आप जानते हैं कि यह कैसे है कुल मिला कर आप यह नहीं कर सकते, यदि यदि आप किसी को देते हैं तो यह सम्मान को दर्शाता है इस प्रकार से और आप यह नहीं कर सकते, एक सेवक यह नहीं कर सकता।

27 और मैं समझता हूं कि भाई नेविल को इस सुबह नया कोट भेंट में दिया गया था, अपने भाई के लिए आपका बहुत आभारी हूं

28 एक छोटा सा भेद है जो मैं और बिली पौल जानते हैं

आप जानते हैं मैं किसी भी चीज में बहुत सुस्त हूं मै पकड़ा जाता हूं जैसे भी किसी भी चीज के लिए, उस दिन बिली ने मुझे बताया उसने, पिता जी आपको मालूम है मैं वहां सुपर बाजार में था ''और बोला मैं वहां किस से मिला?

(उसकी आवाज में थोड़ा कम्पन था) भाई नेविल और कहा वह एक ऊपर वाला कोट पहने थे जबरजस्त लग रहा था और मैंने कहा क्या मेरा उनको आ जाएगा? समझे?

29 और इस प्रकार और उसने कहा नहीं, वह आप से अधिक भारी है इसीलिए मैंने कहा ''ओह मैं उनके लिए एक लेने जा रहा

था''

30 इसलिए फिर, मैंने अपना चैक कलीसिया से लिया जैसे वह करते हैं, उस समय बिली भागता हुआ आया प्रभावित शब्दों के साथ और उसके चेहरे पर मुस्कान थी, डेडी कलीसिया उनके लिए एक लेने जा रही है मैं जानता हूं कि कलीसिया उनके लिए जो मैं लूंगा उससे अच्छा खरीदने वाली है, इसलिए मैने सोचा, कि यह तो शानदार है ताकी हम सारे सहायता कर सके, परन्तु हम जानते है कि यह वास्तविक अच्छे स्थान पर आता है, यह कोट भाई नेविल की आवश्यकता में है

31 आप जानते हैं मैं आपको इस विषय में थोड़ा कुछ बताना चाहता हूं, मैं इतिहास में पढ़ रहा था, यही जो मैंने पिछले कुछ सप्ताहों महीनों या दो में किया, बाईबल के इतिहास को लिया

32 एक बार मैंने पढा.....मेरी पहली पुस्तक पुराना नियम थी-

परमेश्वर पुराने नियम में क्या था तब मैंने नया नियम लिया और देखा परमेश्वर क्या था कि आज से तुलना करु, क्योंकि मैं जानता हूं उसे तो एक सा ही रहना है समझे?

33 तब कलीसिया कि एक जगह जहां मैं चूक गया और वह अन्तिम प्रेरित के जाने और अंधकार युग के आने के बीच का, जब कैथोलिक कलीसिया का राज्य स्थापित हुआ

वे सारे आश्चर्यकर्म खो चुके थे और कलीसिया में से सारी दिव्यता और सब कुछ और मैं जानना चाहता हूं कि उस समय में क्या घटित हुआ इसलिए मैंने कुछ प्राचीन इतिहास जो वहां थे निकाले जैसे कि हिसलॉप का, दो बाबुल और ब्रौडयूट का पिलग्रीम चर्च Fox's book of the Martyrs The Post-Nicene Father's. The Nicene council, Pre Nicene councile और वे सारे महान इतिहास जो कि समय के चलते लिखे गए उन मूल्यवान मनुष्यों के जीवन

जब मैं उन्हें पढता हूं तो प्रतीत होता है जैसे कि मैं लोंग फैलो का जीवन का गीत सुन सकता हूं

महान व्यक्तियों का जीवन हमे सब याद दिलाता

हम अपने जीवनों को प्रतापी बना सकते हैं

अपने पीछे अलग विदाई के साथ

समय को रेत पर पद चिन्ह

34 जब मैंने देखा कैसे वे पुरुष और महिलाएं पीछे कैसे निकले और देखा कि कैसे उसी सुसमाचार को वैसे ही बनाए रखा और जब उन्होंने उसी सुसमाचार का प्रचार किया और वही बाते जो पुराने नियम में नए नियम में घटित हुई और फिर ठीक वैसे ही

इसलिए यह एक दो तीन गवाहियां देते है, हर वचन प्रमाणित किया गया वहीं परमेश्वर जिसने पुराने भविष्यद्वक्ताओं के साथ व्यवहार किया, प्रेरितों के साथ व्यवहार किया और निसियन से पहले के भाईयों से व्यवहार किया

35 और यहां वह आज है अपने लोगों के साथ उसी प्रकार व्यवहार कर रहा है उन्हीं चिन्हों के साथ,

उन्हीं आश्चर्यकर्मों के साथ उसी सुसमाचार के साथ, वहीं सामर्थ वहीं परमेश्वर हर चीज

36 हमारे लिए तीन गवाहों के साथ कि यह सत्य है यही सत्य है, परमेश्वर ने यह तीन वाचाओं के साथ दिया समझे? कि इतिहास.....बाईबल इतिहास है कि परमेश्वर क्या था ऐसे ही पुराने नियम का इतिहास

37 नया नियम, नए नियम का इतिहास है

38 और निसियन कॉनसिल और फादर, पोस्ट निसियन कॉनसिल उस समय की कलीसिया का इतिहास है

39 और अब इतिहास उसी पर बन रहा है जैसा कि यह था यह इतिहास जो कि कभी नहीं लिखा जाएगा, नहीं, यह अब आगमन के बहुत समीप है

40 और परमेश्वर ने इन दिनों में एक मनुष्य की सहायता की है

लोग जो लोगों का सम्मान चाहते है, लोग जो स्वयं को लोक प्रिय बनाना चाहते है या लोगों के बीच में, क्या आप नहीं जानते कि मनुष्य जाति जब यह नष्ट होती है और वह सब जो उसके साथ नष्ट होता है? परन्तु स्वर्गीय धन को खोजते हैं वे कभी नष्ट न होंगे।

41 परमेश्वर की बहुतायत की आशीष आप सब पर रहे, आज रात्रि मैंने उन्हें बता दिया, यह मेरा रिवाज है कि कहीं भी रविवार को मैं आराधनालय में जांऊ यदि यह सम्भव हो सकता है।

42 और आज इस सुबह, मैं बहुत आना चाहता था कि भाई नेविल का संदेश सुनु, परन्तु इस प्रतिज्ञा करने के बाद, तो मैंने इसे तोड़ना नहीं चाहा।

43 इसलिए तब मैंने रेडियो सुनने का यत्न किया और आदि आदि और जितना मैं सुन सका कि सभा के तुरन्त बाद हम यहां खाने के कमरे में मिलेंगे और एक साथ कॉफी पीएंगे और भाई.....

कलीसिया आती है? कलीसिया को वह सराय है, आप इसे सराय क्यों नहीं कहते, बजाए कलीसिया को यह नहीं करना चाहिए, कलीसिया कॉफी की सभा नहीं है या दोपहर सा सांझ का खाना और इस प्रकार की चीजें।

44 हमारा प्रभु के साथ भोज है, कलीसिया यही जहां उसके साथ बात करती है।

45 मैंने अपनी पत्नी से कहा ''प्रिय मैं ऐसा आलोचक होता जा रहा हूं मुझे आराधनालय में जाना अच्छा नहीं लगता या प्रचार मंच पर जाना ओर मैं बूढा हो रहा हूं, मैं और खराब दिखाई पड़ता हूं और मैं, मैं वैसा नहीं होना चाहता परन्तु मुझमें कुछ है जो मुझे ऐसा होने के लिए उकसाता है।

46 तब मैंने कहा ''क्या मैं अपनी समझ खो रहा हूं? क्या नहीं मैं बाकी लोगों के साथ चलता हूं? क्यों नहीं मैं दूसरे भाईयों के तरह चलता हूं? क्यों नहीं मैं एक संस्थागत नहीं हो सकता वैसे ही बनाऊ जैसा वे करते हैं?

या मैं क्यों नहीं लोगों को ताड़ना देना छोड़ सकता हूं और इस

प्रकार की बाते? मैं क्यों नहीं यह कर सकता? तब मैंने कहा मैं सोचता हूं ''क्या मेरा अपना चित ठिकाने पर नहीं है? तब मैं वापस वचन पर आता हूं और यह वहां पर है मुझे वचन के साथ टिकना चाहिए

मैंने कहा'' मैं, यदि यह परमेश्वर के वचन के लिए नहीं है और मुझे मालूम है कि परमेश्वर है, तो मैं अपने लिए कहीं एक केबिन बनाऊंगा, दूर वहां ब्रिटिस कोलमबिया में वहां दूर कनाड़ा में पहाड़ों पर जहां मैं मनुष्यों को ना देखू, बस एक बार।

47 और वहां मैं परमेश्वर की आवाज को सोतो कि कलकल में सुनुंगा और उसे जब वह पहाड़ कि चोटि पर भेडिया चिल्लाता है सुनुंगा।

मैं उसको सुनुंगा जब वह चीड के बड़े-बड़े वृक्षों में होते हुए फुसफुसाता है और अपने सुन्दर चेहरे को झील के आईने में देखता है, जब यह बर्फ से ढकी चोटी के पहाड़ को परिवर्तित करता है, क्यों मैं अपने जीवन के हर दिन उसकी आराधना करुंगा वहां पर

48 मैं जानता हूं मैं प्रभु को और वास्तविक पाऊंगा, बजाए कि उसे कॉफी, भोजन और चाय पार्टी में सुन सकू और सब प्रकार की चीजे जो आज हमारे पास है कहलाने वाली कलीसिया, मतसार और काल्पनिक कथाएं, किस्से और हर चीज कि सुसमाचार का स्थान ले''

49 इससे अच्छा मैं वचन पढूं क्या मैं नहीं था, और मैं आरम्भ हो गया, अब इसके पहले हम पढ़े आईऐ जिसने इसे लिखा है उससे बात करें, जैसा कि हम अपने सिरो को झुकाते हैं

50 वे सब जिनके पास आज रात्रि निवेदन है, आज बड़े दिन की शाम, रात्रि होने के नाते, कुछ इस प्रकार से हो सकता है ''ओह प्रभु मैं मसीह के लिए अपने हृदय में अभारी हूं और पहले कभी से मैं आपके और समीप आना चाहता हूं

मैं वापस चरनी पर नहीं जाना चाहता, परन्तु मैं अपने हृदय को चरनी बनाना चाहता हूं, उस बालक मसीह के लिए नहीं परन्तु मसीह जो परमेश्वर है ''इम्मेनूएल'' क्या आप अपने हाथों को मसीह की ओर उठा कर प्रगट करेंगे? प्रभु आपके निवेदन को प्रदान करे

51 स्वर्गीय पिता हम यहां इस घर में जो प्रार्थना का घर कहलाता है एकत्र हैं, यह स्थान जहां पर हम प्रभु यीशु की आराधना के लिए एकत्र होते हैं, उसके महान कार्यो के ओर उसके वचन के सिखाने और विश्वास करते हैं कि वह वचन है।

इस रात्रि के लिए हम आपका धन्यवाद करते हैं और इस सुअवसर के लिए जो हमारे सामने है कि जीवते परमेश्वर के वचन को जीवते लोगों के सामने लाएं और विशेषकर उन के लिए जो मसीह यीशु में जी रहे हैं, जो कि नए किए गए, और फिर से जन्मे हैं और नई स्रष्टी हो गए

और सौभाग्य कि हमे सामने रखना है–उस सच्चाई को उन्हें जो मसीह में नई स्रष्टि नहीं है कि इस रात्रि में वे मसीह में नई स्रष्टि हो सकते हैं, इन में से प्रत्येक को उनके हृदय कि इच्छा को प्रदान करे

52 और होने पाए आज रात्रि वे, यदि वे इससे पहले नहीं थे इस महान विश्वव्यापी में आ जाए, कैथोलिक कलीसिया यह कैथोलिक जैसा कि यह समस्त संसार में है, प्रेरिताई जीवते परमेश्वर के नया जन्म पाए संत, इसे प्रदान करें प्रभु।

होने पाए हर व्यक्ति इसका सदस्य हो जाए, क्योंकि यह एक देह है ना कि एक भवन, परन्तु एक देह मसीह की देह और हम इस देह के सदस्य हैं प्रभु इसे ग्रहण करे।

53 मसीह की ओर से- महान उपहार, होने पाए कि आज रात्रि वह लोगों पर उण्डेला जाए जो उसकी देह में हैं, ना कि एक मोहर बंद डिब्बा, ना कि उसमे बड़े दिन का उपहार जैसा कि हम संसार के मनुष्य एक दूसरे को देते हैं, एक दूसरे के लिए अपने प्रेम में सरहाना, परन्तु इसे वह पवित्र आत्मा कि मोहर होने दे जो मनुष्य जाति के प्राण में अन्दर उतर जाए उन्हें अनन्त जीवन दे पिता इन सबको एक साथ आशीषित करे।

54 जब की आज रात्रि जहां तक हम जानते हैं, स्वस्थ और प्रसन्न होने के नाते, एक अच्छी गर्म आग जली हुई है, हमारे सिर के ऊपर छत और उन हजारों के लिए सोचते हुए जो समस्त संसार में जिनके पास जाने के लिए कोई स्थान नहीं, स्वर्गिय पिता हम पर दयावान हो

और इस निवेदन को ग्रहण करें।

55 आज रात्रि हम मांगते है कि आप जो वचन आए आप आशीषित करें

56 हमारे पास्टर को आशीषित करें कलीसिया के ट्रस्टी ओर डीकन को अशीष दे और हर एक जो इसके साथ जुडा हुआ है देह कि सदस्यता में, फिर से जन्म पाने के नाते क्योंकि हम यह यीशु के नाम में मांगते है। आमीन

57 जैसा कि मैंने यह थोडी देर पहले आरम्भ किया कहने को संतो को पढने में, एक ठंडी रात्रि में संत मार्टीन आया और उसने पाया कि निर्धन बूढ़ा आदमी पड़ा है, दरवाजे पर जम रहा है, और लोगो ने पास से जाते देखा, जो कि योग्य थे कि उस बूढ़े व्यक्ति को दे सकते थे कैसा भी कपड़ा, परन्तु उन्होंने यह नहीं किया।

और तब वह यह जानते हुए कि यह करना उसका कर्तव्य था जब की उसके पिता और माता दोनों मूर्तीपूजक थे, परन्तु वह एक सिपाही था, इसलिए उसने अपना वस्त्र उतारा, और अपनी तलवार से उसे आधा काट कर दो में कर दिया, और उस बूढ़े को उसमे लपेट दिया और फिर चला गया, और लोग उस पर हंसे उसे अपमानित किया, बोले विचित्र दिखने वाला सिपाही! क्या ही धर्मान्दता है!

58 परन्तु उसी रात्रि, वह उस बैरक में जाग उठा जहां वह टिका हुआ था और वह एक दर्शन में था और उसने देखा कि वह एक कमरे में है और वहां यीशु चारो ओर स्वर्गदूतो से घिरे हुए खड़े है और यीशु ने उसी कपडे को अपने चारों ओर लपेटा हुआ है, उसी वस्त्र को

और उसने स्वर्गदूतों को कहा क्या तुम्हें मालूम है मुझे यह कहां से मिला''?

और उन्होंने कहा ''नहीं मेरे प्रभु''

उसने कहा ''मार्टिन ने मुझे इसमें लपेटा है''

59 इसलिए भाई मार्टिन तब जान गया कि सेवकाई में यह उसकी बुलाहट है- क्योंकि जब उसने उस बूढ़े व्यक्ति को कपड़े में लपेटा

था तो यीशु उस बूढ़े मनुष्य में था

इसलिए यदि वह एक बूढ़े मनुष्य में था जैसा कि हम उसे भिखारी या एक आवारा, सड़क किनारे पड़ा यीशु हम में से किसी के पास भी आएगा, तब उसे मालूम पड़ा ''जो कुछ भी तुमने इन छोटे से छोटे के साथ किया, मेरे छोटो के साथ, तुमने मेरे साथ किया'' परमेश्वर इसे स्मरण रखने के लिए हमारी सहायता करे।

60 अब आप जिनके पास अपनी बाईबल है और विषय को लिखना चाहते हैं, आज रात्रि पवित्र लेख में से दो स्थानों से पढ़ना चाहता हूं एक यशायाह में से और एक संत यहुन्ना में से

मैं 'यशायाह में से पढ़ना चाहता हूं 42वां अध्याय और संत यहुन्ना में से 12वां अध्याय मैं पवित्र लेख से पढ़ना चाहता हूं यशायाह 42 के पहले पद और नीचे तक 7वें पद तक

मेरे दास को देखो जिसे मैं सम्भाले हूं, मेरे चुने हुए को-जिससे मेरा जी प्रसन्न है मैंने उस पर अपना आत्मा रखा है, वह जाति-जाति के लिए न्याय प्रगट करेगा

ना वह चिल्लायेगा और न ऊंचे शब्द से बोलेगा, ना सड़क पर अपनी वाणी सुनाएगा कुचले हुए नरकट को वह ना तोड़ेगा और ना टिमटिमाती बत्ती को बुलाएगा; वह सच्चाई से न्याय चुकाएगा

वह ना थकेगा और ना हियाब छोड़ेगा जब तक वह न्याय को पृथ्वी पर स्थिर ना करे; और द्वीपो के लोग उसकी व्यवस्था की बाट जोहेंगे

परमेश्वर जो आकाश का सृजने और तानने वाला है, जो उपज सहित पृथ्वी का फैलाने वाला और उस पर के लोगो को सांस और उस पर के चलने वालो को आत्मा देने वाला यहोवा है वह यो कहता है

मुझ यहोवा ने तुम को धर्म से बुला लिया; मैं तेरा हाथ थाम कर तेरी रक्षा करुगा, मैं तुझे प्रजा के लिए वाचा और जातियों के लिए प्रकाश ठहराऊंगा कि तू अंधो की आंखे खोले,

बन्दियों को बंदीग्रह से निकाले ओर जो अंधियारे में बैठे हैं, उनको काल कोठरी से निकाले।

61 अब संत युहन्ना का 12वां अध्याय और हम 17वें पद से आरम्भ करे और नीचे 28वें पद तक पढ़े

तब भीड़ के उन लोगों ने गवाही दी, जो उस समय उसके साथ थे जब उसने लाजर को कब्र से बुला कर मरे हुओं में से जिलाया था इसी कारण लोग उससे भेंट करने को आए थे क्योंकि उन्होंने सुना था कि उसने यह आश्चर्यकर्म दिखाया है, तब फरीसियों ने आपस में कहा सोचो तो सही कि तुम से कुछ नहीं बन पड़ता देखो संसार उसके पीछे हो चला है

जो लोग उस पर्व में आराधना करने आए थे उनमें से कुछ यूनानी थे उन्होंने गलील के बैतसैदा के रहने वाले फिलिप्पुस के पास आ कर उससे विनती की ''श्रीमान हम यीशु से भेंट करना चाहते हैं

फिलिप्पुस ने आ कर इन्द्रियास से कहा, तब इन्द्रियास और फिलिप्पुस ने जा कर यीशु से कहा, इस पर यीशु ने उन से कहा'' वह समय आ गया है कि मनुष्य के पुत्र की महिमा हो

मैं तुम से सच सच कहता हूं जब तक गेहूं का दाना भूमि में पड़कर मर नहीं जाता, वह अकेला रहता है; परन्तु जब मर जाता है, तो बहुत से फल लाता है जो अपने प्राण को प्रिय जानता है, वह उसे खो देता है; और जो इस जगत में अपने प्राण को अप्रिय जानता है वह अन्नतता के जीवन के लिए उसकी रक्षा करेगा

यदि कोई मेरी सेवा करे, तो मेरे पीछे हो ले; और जहां मैं हूं, वहां मेरा सेवक भी होगा, यदि कोई मेरी सेवा करे, तो पिता उसका आदर करेगा

अब मेरा जी व्याकुल है इसीलिए अब मैं क्या कहूं? हे पिता, मुझे इस घड़ी से बचा? नहीं, क्योंकि मैं इसी कारण इस घड़ी को पहुंचा हूं, हे पिता, अपने नाम की महिमा कर तब यह

आकाशवाणी हुई 'मैंने उसकी महिमा की है, और फिर भी करूंगा''

62 अब मैं इसमें से एक विषय लेना चाहता हूं जिसे मैंने दूसरी प्रकार से प्रयोग किया है: श्रीमान हम यीशु से मिलना चाहते हैं।

63 कुछ समय पहले मैंने इस विषय को लिया था, परन्तु थोड़ा दूसरे प्रकार से जो आज रात्रि मैं लेने पर हूं।

अब यह दृश्य बड़े दिन के सन्देश से हट कर है, परन्तु मैं समझता हूं कि आज आप रेडियो पर आपने सुना होगा तीन पूर्वी पुरुष और बैतलहम का छोटा नगर और शांत रात्रि ओर सेवक को उसके जन्म के विषय में बोलते सुना और आदि आदि अपना बड़े दिन का सन्देश आज रात्रि सामने रख रहा हूं, इस दोपहर बाद आपके पास बहुत कुछ है और पिछले दो या तीन दिनों से, मैंने सोचा मैं इसे भिन्न दृष्टि से लूगा, उसके जन्म से नहीं और दूसरे प्रकार से बोलूगा।

और यह बहुत ही असामान्य रुढ़ीगत परन्तु यह असामान्य चीज कि हम परमेश्वर के वचन की सच्चाई देखते हैं यह असामान्य बात है।

64 यह परमेश्वर के वचन का असामान्य रुप है कि लोग उसे मसीह होने के लिए पहचाने ना कि सामान्य प्रवृति कि फरीसी और सदूकी आए, उन्हें बताया जा रहा है

यह असामान्य बात कि मसीह से मिले जो कि चरनी में जन्मा बजाए इसके की स्वर्ग के गलियारे से होकर नीचे आए, जैसा कि उन्होंने सोचा कि वह आएगा या जैसा वे- उन्होंने कहा वह आएगा।

65 यह एक असामान्य बात थी, जब यर्दन नदी पर, जब पहाड़ छोटे मेढे की नाई उछलने लगे और सन्देशवाहक उसके आगे-आगे भेजा गया।

बजाए इसके कि वह एक अच्छा सभ्य याजक होता जो बाहर आ कर उसके आगमन की उद्घघोषणा करता, एक ऐसे मनुष्य को देखेंगे जिसके सारे चेहरे पर दाढ़ी हो और झबरे बाल और जानवर की खाल का टुकड़ा अपने चारो ओर लपेटा हुआ हो वस्त्र के लिए।

और सम्भवत: टखने के ऊपर कीचड़ में चलता हुआ आया और हमे हिला देने वाला सन्देश प्रचार किया और उन फरीसी और सदूकी और उन शास्त्रियों को कहा ''तुम सांप की सन्तानों'' एक मनुष्य के लिए यह करना असामान्य है, परन्तु यह भी सत्य जीवन को ढूंढने का असामान्य मार्ग है, ना कि तय की हुई आम विधि, परन्तु असामान्य तरीका।

66 और आज रात्रि यह मेरी हार्दिक इच्छा है कि इस असामान्य पवित्र लेख में हम बड़े दिन का सच्चा अर्थ पाएगें, बडे दिन का हमारे लिए क्या अर्थ है, जिस प्रकार से अब हमें करना चाहिए या क्या, हमारी पहुंच बड़े दिन के लिए क्या होनी चाहिए।

67 अब हम यही वर पाते है, जैसा कि हमने यहां पढ़ा ये यूनानी लोग उससे मिलना चाहते हैं, वे यीशु को ढूढ़ने आए, कोई सन्देह नहीं कि वे, उन्होंने आपकी और मेरी तरह उसके लिए सुना, वे महान कार्य जो उसने किए थे और वह महान प्रचार जो उसने किया था और उसके जीवन की असाधारण बाते, इसीलिए वह एक असाधारण व्यक्ति हो गया था।

68 और मैं यहां थोड़ी देर के लिए रुकना चाहता हूं, यह कहने के लिए कि अधिकांश जब आप परमेश्वर को एक व्यक्ति के जीवन में पाते है, आप एक बहुत ही असाधारण व्यक्ति को पाते है जो कि बहुत ही असामान्य रीति से प्रयोग किया जाता है।

69 इसीलिए यीशु इसी प्रकार का व्यक्ति था और उसने लोगों को आकर्षित किया कि वे मालूम करे वह कहा था और कौन था।

70 और नि:सन्देह ये यूनानी मूर्ति पूजक पागन थे क्योंकि यूनानी मूर्ति पूजते हैं और वे महान थे, भाई मैं कहूंगा मूर्तिकार और खिलाड़ी और उन के पास बहुत सी कलाए, यूनानियों ने महान यूनानी कलाए बनाई जो की आज तक भी पूरी नहीं हुई उनकी कलाओ, में, और वे बड़े खिलाड़ी लोग थे

71 और यह बात जानते हुए कि कही तो कोई परमेश्वर था और उनके वे हजारो जिनकी वे पूजा करते थे और उन्होंने इतिहास के परमेश्वर के विषय में सुना था जिसने इब्रानियों के बीच आश्चर्यकर्म

किए थे और उन्होंने इस परमेश्वर के विषय में भी सुना जो आश्चर्यकर्म करने वाला इब्रानी परमेश्वर उनके राष्ट्र में फिर से उनके साथ था, इसलिए इसने उनका ध्यान आकर्षित किया, इसलिए वे यीशु से मिलने को आए।

72 अब ध्यान दे, अधिकांश जिस प्रकार से लोग यीशु को ढूढ़ना चाहते थे, कि किसी ऐसे को ढूढ़े जो उन्हें उसके पास ले जाए, एक अगुवा या उसका कोई सेवक, इस प्रकार वे उसे ढूढ़ते थे।

इसलिए यीशु यदि उसने कभी कोई सेवक चुना, उसने सदा किसी ऐसे को चुना वह जो लोगों को उसके पास ले कर आए, क्योंकि लोगों की सेवा करना ही उसका उद्देश्य था।

73 अब हम पाते है कि उन्हें यीशु के सामने लाया गया, अब ये यूनानी, फिलिप्पुस, उन्होंने फिलिप्पुस से सलाह ली और फिलिप्पुस ने कहा, यहां कोई है जो हमारे प्रभु से मिलना चाहता है, इसलिए मैं वह सम्मान नहीं लेना चाहता कि मै उन यूनानियों का अपने प्रभु से परिचय करवाऊ, इसलिए मैं इन्द्रियास के पास जाऊंगा कि मेरे साथ चले और इसीलिए जाते हुए उन्होंने इन्द्रियास को लिया और इन्द्रियास और फिलिप्पुस दोनो और इन यूनानियों को यीशु के सामने खड़ा किया

74 अब यहां एक महान बात है यह विषय जो असाधारण है जैसे ही इन यूनानियों ने यीशु के विषय में कहा, यीशु ने अपनी ओर संकेत नहीं किया या उसन स्वयं को उन पर प्रगट नहीं किया, क्योंकि आप यीशु को उस प्रकार से नहीं जान सकते।

75 यीशु को उस प्रकार से नहीं जाना जाता

परन्तु जैसे ही हम उसे यहां वचन में देखते है और जब इन यूनानियों को लाया गया, यीशु के पास लाया गया और वे उसके उपस्थिति में थे, ऐसा लगा कि यीशु कहेगा ''भाई ऐसा नहीं है.....मैं-मैं यहूदी जाति का मसीह हूं, यह तो भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा भविष्यवाणी की गई है, प्ररेणा में सदियों से होते हुए और अब मैं यहां पर हूं।

और मैं.....नासरत में जन्मा, मैं यहूदी मां से हूं, मेरा पिता परमेश्वर है और मैं यहा स्वयं का आप यूनानियों पर प्रगट करने के

लिए हूं अब यह काफी कुछ इसके 1961 संस्करण के समान होता।

76 परन्तु देखिए जैसे ही वे उसकी उपस्थिति में आए!

यही विशेष बात है कि लोगों को उसकी उपस्थिति में लाए, जैसे ही उसकी उपस्थिति में आए यीशु ने कहा जब तक दाना भूमि में पड़कर मर नहीं जाता, वह अकेला रहता है।

कैसी असामान्य बात है, बजाए कि उनका परिचय सुनता, जो काम उसने किया उसने उन्हें उधर कि ओर संकेत किया कि वे उसे पा सकें ''जब तक कि दाना भूमि में पड़ कर मर नहीं जाता, वह अकेला रहता है''।

77 उसने यहां क्या किया? उसने महान सत्य की ओर संकेत किया कि उसे कैसे देखे, वे उसे अनन्त जीवन के मार्ग से होते हुए नहीं देख सके, बस खड़े होकर जैसा वह था वह एक मनुष्य था।

78 कुछ दिनो पहले प्रातः मुझे लगभग सुबह नौ या दस बजे एक दर्शन मिला।

79 मैं प्रभु से प्रार्थना कर रहा था, मुझे निरन्तर अनुभव हो रहा था कि इस वर्ष विदेश में मेरे लिए बुलाहट हो रही है, आरम्भ होकर समस्त संसार में।

मैं नोर्टो जाना चाहता था और मैं जर्मनी अफ्रीका और बहुत से राष्ट्रो में जाना चाहता था, इस वर्ष यदि प्रभु कि इच्छा हुई, जाने के लिए मेरे हृदय में एक बुलाहट थी।

80 और मैं प्रभु से प्रार्थना कर रहा था और एक दर्शन मेरी आखों के सामने आया और मैं वहां खड़ा हुआ था, फर्श पर चहलकदमी करते हुए एक कमरे में प्रवेश कर गया जहां दो स्त्रीया खड़ी थी, विशेष थी, एक एक काउन्टर पर थी दूसरी, दूसरे काउन्टर पर थी, वे अलग-अलग चीजे बेच रही थी।

एक क्षण के लिए मैं वहां खड़ा हुआ और आश्चर्य हुआ कि यह कि विषय में था, तब मैंने देखा एक व्यक्ति अन्दर आया और इस काउन्टर की स्त्री से खरीदा, एक इत्र की बोतल जो दूसरे के लिए सम्भवतः उसकी पत्नी के लिए।

81 तब मैंन जाकर कहा ''यह इत्र कितने का था? मैं अपनी पत्नी के लिए लेना चाहुंगा परन्तु मुझे लिलेक चाहिए, मुझे लिलेक पसन्द है''।

82 और उसने कहा याने स्त्री ने कहा ''यह छोटी बोतल जो

उस व्यक्ति ने अपनी पत्नी के लिए खरीदी चालिस सेंट की है परन्तु वह लिलेक नहीं है, लिलेक की दूसरी बोतल एक डालर और 99 सेंट की है'' और मैंने कहा मैं वह लूंगा।

83 और मैने पैसों के लिए अपना बटुआ निकाला और मैंने सोचा मैंने उसे एक-एक डोलर के दो नोट दिए हैं।

84 वापस करते हुए उसने कहा श्रीमान यह मुद्रा मैं नहीं पहचानती और उसने मुझे वापस कर दिए और यह कनेडियन पांच डोलर का नोट था।

85 और मैंने कहा ''मुझे क्षमा करना मैंने सोचा यह डोलर है''

और तब मैंने कहा मैं, मैं एक मिशनरी हूं और अपने मिशन पर हूं, मुझे संसार के विभिन्न भागों से पैसे मिलते हैं और इसमें मैंने गलती कर दी।

86 इसलिए उसने पांच डोलर का नोट वापस कर दिया और मैंने उसे अमरिकन एक डोलर का नोट दिया और उसने मुझे खुल्ले पैसे दिए और उसने कहा मिशनरी? और मैंने कहा हां माता जी।

87 और जब मैं बात करते हुए उसे देख रहा था, उसने दूसरी स्त्री को देखा और उसने एक प्रकार से सिर हिलाया और उसने कहा ''प्रिय क्या तुम विश्वास करती हो कि भाई ब्रन्हम ठीक है कि आज हम महिलाओं को वैसा ही रहना चाहिए जैसा उसने हमें बताया, कटे हुए बाल और अपने कपड़े और इस प्रकार की बाते? कहा क्या आप नहीं सोचती कि इस विषय में वह गलत है?

88 उसने कहा ''जी हां'' उसने कहा ''प्रिय चलती रहो तुम रूत या जो भी उसका नाम था इसे कहने का आपमें प्रेरणा होनी चाहिए''

89 तुरन्त ही मैं जान गया कि मैं दर्शन में हूं, इसीलिए मैं जान

गया यह दो स्त्रीयां सदा से ही थी समझे? ये दोनों एकवाद और त्रिएकता की कलीसिया, वे वहां पर खड़ी हैं।

90 और कहा ''हां'' बोली मैं नहीं सोचती हूं कि हमें चाहिए क्योंकि हमने उसकी आंख कभी नहीं देखी, हमने उसका श्रृंगार कभी नहीं देखा, हम नहीं जानते कि वह कैसा दिखता है, इसलिए हम यह क्यो करेंगे?''।

91 और मेरे पास एक पुराना गश्त लगाने वाला सूट था और मैंने उस स्त्री से कहा मैंने कहा मेरी बहन एक क्षण देखिए आपको बाईबल के अनुसार ही रहना है, कोई मतलब नहीं कि यह कैसा था।

92 वह बोली परन्तु हम पहले कभी नहीं रहे और हमने उसे कभी नहीं देखा मैंने कहा मैने उसे देखा है''।

93 और मैंने कहा मामला ऐसा है.....''मैंने सोचा'' प्रभु अब मैं दो महान बुद्धिमान कलीसियाओं के सामने हूं अब आप ही मुझे बुद्धि प्रदान करे''।

94 और तब इसलिए मैंने अपने आपको उनसे बाते करते हुए सुना, मैं चाहता हूं कि आप इसे जांचे, मैंने अपने जीवन में कभी ऐसा नहीं सोचा।

मैंने कहा ''एक मनुष्य को आज वैसा ही होना है जैसा वह तब था, क्योंकि वह वही मनुष्य है, वह पांच इन्द्रियों से बना है और यदि वह खड़ा हो कर उसे देखे सीधा उसके मुख पर, उसके पास विश्वास की छठी इन्द्री होनी ही चाहिए कि उस पर विश्वास करे, कोई मतलब नहीं की वह कैसा दिखता है, जो भी है उसे उस पर विश्वास करना ही है।

95 और उनके चेहरो पर लज्जा थी और कहा, श्रीमान हमने यह कभी नहीं देखा इस प्रकार से और जाने लगे, तब मैं मुड़ा और मिशन कार्यक्षेत्र के लिए आरम्भ किया जो कि मैं जानता हूं यह वापस कार्य क्षेत्र में बुलाहट थी।

96 अब देखिए, उसने उन्हें उसकी उपस्थिति में होने का संकेत दिया, मसीह ने सत्य की ओर संकेत दिया, उसने कहा कि उसे कैसे

देखे कि क्रूस पर जाना था, यही जहां वह है क्रूस पर।

जब तक गेहूं का दाना ना गिरे, वह अकेला रहता है और यदि वह ना मरे तो उसे अकेले ही रहना है स्वयं में, यदि वह मरा नहीं है।

परन्तु वह एक गेहूं का दाना होने के नाते जो भूमि पर गिरा ''और तब यदि यह भूमि पर गिरता है उसने कहा तकि वह बहुतायत को लाएगा, यदि यह भूमि पर गिरता है और मरता है।

पहला इसे, अंकुरित बीज होना है या फिर वह कुछ नहीं लाएगा, परन्तु इसके पहले कि वह भूमि में गिरे उसके पास जीवन होना ही चाहिए और उसके अन्दर अन्नत जीवन था क्योंकि वह इम्मेनवेल था और उसे अपना जीवन देना ही था ताकि वह जीवन को फिर से ले आए।

97 गेहूं के समान ले आप कहते है गेहूं का एक दाना कैसा कर सकेगा? यहो जो घटित हुआ, इस दाना गिरा, यह सौ दानो के ले आया, सौ दाने गिरे हजार दाने ले कर आए एक हजार दाने गिरे और लाखों दाने ले आए, लाखों दान गिरे और नौका भर कर ले आए और आगे और आगे आगे जब तक यह समस्त संसार को खिलाएं।

98 उसका यही अर्थ था ''यदि में अपना जीवन अकेले ही जीऊ और इस प्रकार मंरु, मैंने अपना जीवन अकेले जीया, तो फिर तो मरे बाद कोई फल न होगा परन्तु यदि मैं भूमि में गिर जाऊ परमेश्वर की इच्छा के आधिनता में और मैं एक नया जनम ले कर आऊंगा।

और नए जन्म में, यह एक और नए जन्म को ले कर आएगा जब तक की सारा संसार मिशनरी हो जाएगा सुसमाचार को प्रचारु'' इस सुसमाचार को मेरी गवाही में सारे संसार में प्रचारित होना ही है जो विश्वास करते है उनके चिन्ह यह होंगे।

99 इसलिए यदि हम स्वयं में अपनी सेवकाई में और अपने विचारो में और अपने जीवन में, यदि हम वैसे ही रहे जैसे हम है, हम भला ही कर सकते, हमें तो वेदी पर मरना ही है या फिर हम अकेले रहेंगे।

हम किसी नामधारी या किसी मतसार के लिए जीयेगे, हम किसी संस्था के लिए जीयेगे, परन्तु यदि हम स्वयं में कर जाए, तो पवित्र आत्मा हमारे होठो के द्वारा हर कही फैल जाएगा, हमे मरना ही है

इसलिए आज बहुत सारे इसलिए यह अब जैसा है, कि यदि.....हमें महसूस करना चाहिए कि हमे मरना ही है ताकि नया जीवन ले कर आए, इसलिए उसने इसके लिए इतना कहा है यदि तुम मुझे देखना चाहते हो, तुम्हे मरना ही है, स्वयं में मर जाओ तब आप नया जीवन लेकर आओगे।

100 अब यदि हम उसे देखना चाहते हैं, यदि अप उसे देखने की आशा करते है, आपन कलीसिया के सदस्य बन कर उसे कभी नहीं देख सकेंगे, कुछ नियमो की किताबे जिनका आपको पालन करना है, कुछ मतसार जिनकी आपको सेवा करनी है, जब आप मरेंग तब आप उसे देखेंगे, जब आप कलवरी पर आते हैं और स्वयं को क्रूस पर चढ़ा देते है तब आप यीशु को देखते है, हमें उससे मिलना ही चाहिए।

101 इसके पहले की वह कुछ भी कहे, उसने उस स्थान की ओर संकेत किया जहां उसे ढूंढे, जैसे की सारे अन्यजाति या सारे लोग, आप यीशु को क्रूस पर पाते है जब आप उसके संग क्रूस पर होते हैं।

102 आज हम उसको हर चीज में ढूढ़ना चाहते हैं, हम उसे कलीसिया के भवन में ढूढ़ना चाहते है, हम उसे नामधारी में ढूढ़ने का यत्न करते हैं, हम उसे किसी मतसासर के उच्चारण में ढूढ़ना चाहते है, हम यत्न करते हैं कि कुछ दिनो का पालन करके कुछ निश्चित रिवाजो के मानने से पा ले।

परन्तु हम नहीं पा सकते जब तक हम कलवरी पर ना आए वहां हम क्रूस पर चढ़ते हैं, भूमि की मिट्टी में गिर जाते है और स्वयं में मर जाते हैं, और फिर से जन्म लेते हैं तब हम यीशु को पाते हैं।

103 ओर आज बहुत से यत्न करते हैं कि अपने विचारो में स्वयं को बनाए रखे, इसके लिए मेरे अपने ही विचार है मैं यह विश्वास करता हूं, जब तक आप स्वयं में ना मर जाए आप मसीह को नहीं पा सकते और उसे स्वीकार करते है, वह वचन तब आप जीवन पाते

है आईए देखे।

104 आज कितना अन्तर है! आज कितना अन्तर है, आज, कलीसियाओं के साथ या आज के चेलो के साथ, वे क्या करते हैं, यदि आज आप चेलो के पास आएं?

105 वे चेले, इसके पहले कि वे कुछ करे, वे इन यूनानियों को यीशु कि उपस्थिति में ले गए और यदि वह आज कल और सर्वदा तक एक सा है, तो उसे आज भी वैसा ही व्यवहार करना चाहिए, यदि आप उसकी उपस्थिति में लाए हैं।

106 आज चेले बहुत ही भिन्न है, आज के वे आपको पालने या चरनी में या एक सेंटा क्लोज के पास ले जाने का यत्न करते है या एक खरगोश के पास ईस्टर के लिए या कुछ और बजाये मसीह के, वे आपको मसीह की उपस्थिति में कभी नहीं लाएंगे, बड़ा दिन मसीह नहीं है, नहीं।

आज वे आपको किसी और स्थान पर लाते हैं, किसी मूरत के पास, किसी कलीसिया, किसी संस्था किसी व्यवस्था कि शिक्षा, परन्तु आपको मसीह की उपस्थिति में कभी नहीं लाते।

107 एक वास्तविक सच्चा चेला आपको सीधा मसीह कि उपस्थिति में ले कर जाएगा, और वहां से मसीह आपको दिखाएगा कि आपको क्या करना है।

108 अब, आत्मा बड़े दिन से जा चुका है, आज किसी ने कहा मैंने उन्हें रेडियो पर सुना, एक व्यक्ति तर्क दे रहा था, एक सेवक के विषय में ''बहुत से लोग आज यह कह रहे हैं, कि यह बड़ा दिन नहीं है और हमें सेंटा क्लोस आदि चीजे नहीं लेनी चाहिए''।

और वह व्यक्ति अपनी बात को स्पष्ट करना चाह रहा था, यदि आप सेन्टा क्लोस को बड़े दिन से निकालते हैं तो आप आत्मा को बाहर करते हैं आप सेन्टा क्लोस की आत्मा को बाहर करते हैं, यह सच बात है।

109 और सांता क्लोस का आत्मा नहीं है.....

सांता जर्मन कि कोई देत कथा है, जर्मन कैथोलिक का रिवाज

वह आत्मा नहीं जो बड़ा दिन बनाता है, मसीह का आत्मा, पवित्र आत्मा की ओर संकेत करता था, जो कि उत्सव नहीं था, परन्तु जीवित परमेश्वर की आराधना है।

110 परन्तु उसने कहा तुम सेन्टा क्लोस को बाहर कर दो तो बडे दिन में आत्मा नहीं रह जाता, क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एक सेवक रेडियो पर ऐसी बात कर रहा है? परन्तु जो उसने कहा, कहा, आप सेन्टा क्लोस को बाहर कर दे और फिर आपमें बड़े दिन का आत्मा नहीं रहता ''भाई यह हो सकता है, शब्द क्रिसमस का प्रयोग करते हुए आपके पास उतना कुछ नहीं होता''।

111 परन्तु आप अपने जीवन से सेन्टा क्लोस को बाहर कर दे, अपने हृदय को खोलें और मसीह को अन्दर आने दे संसार की चीजो के लिए मर जाए, ताकि आप वास्तविक बड़ा दिन पा सके।

112 जी हां, इसमें बहुत ही अन्तर है, यह क्या हुआ करता था परन्तु यह बदल गया, नहीं नहीं मसीह नहीं बदलता, आज के चेले पुराने चेलो से बहुत भिन्न हैं।

आज, चेले वक्ताओं को लाते हैं, या बल्कि खोजी है, बजाए.....पुराने चेले खोजने वालो को परमेश्वर की उपस्थिति में लाते थे और आज, आज के चेले उन्हें किसी कलीसिया की संस्था की उपस्थिति में लाते हैं, कोई संबंध कोई मतसार, कोई शिक्षा, बजाए इसके कि मसीह की उपस्थिति में ले कर आए।

113 हम बड़े दिन के शब्द को ले, यह बहुत ही कम है कि आप मसीह के नाम का उल्लेख सुने, आप इसका उल्लेख नहीं सुनते केवल बत्तिया और चमकीले सब सेन्टा क्लोस पर, मसीह पर नहीं, यहां तक कि कुछ लोग जानते है कि बड़ा दिन वास्तव में किस लिए है, उन्होंने इसको पागानवाद बना दिया और पागान कर दिया। जब तक कि यह पागान नहीं हो गया यह महान अर्थ व्यवस्था का दिन है, मनाने का।

अब यदि वे इसको व्यापार का दिन बनाना चाहते है जैसे मदर-डे या फादर-डे या सन्स-डे या डॉटर-डे यह ठीक है परन्तु व्यापार को बड़े दिन से अलग रखे, मैंने अधिक समय नहीं हुआ एक विज्ञापन देखा, कहा ''फिर से मसीह को वापस बड़े दिन में ले कर

आओ''।

114 अब वे आपको कलीसिया में लाते हैं और आप मतसार सीखे वे आपको बड़े दिन पर लाते हैं, आप क्या करते हैं? आप सेन्टा क्लोस को देखते हैं, वे आपको कलीसिया में लाते हैं अब संस्था को देखते है।

115 परन्तु मसीह उन्हें क्रूस के पास लाया

और जब आपको वास्तविक चेला मिलता है वह आपको मसीह की ओर ले जाएगा, मसीह आपको क्रूस की ओर ले जाएगा, जहां आप उसके संग क्रूस पर चढ़े, और उसका अनन्त जीवन और आपका जीवन एक साथ मिलते है और आपका जीवन मर जाता है और आप उसका अनन्त जीवन ले लेते है और फिर आप परमेश्वर के पुत्र हो जाते हैं। आमीन

116 पुराने चेलो में आज के चेलो में कितना अन्तर है

117 यदि आप एक चेले को उल्लेख करते हैं ''मैं प्रभु यीशु को हृदय से जानना चाहता हूं''।

118 अच्छा अब देखे हम अमूक-अमूक कलीसिया से है आईए और उसके सदस्य बन जाए, हमारे साथ मिल जाए समझें? या हम थे.....हम अमूक-अमूक समाज से है आकर उसके सदस्य हो जाए और यही जो आप सुनते है।

119 परन्तु मसीह ने स्वयं लोगों को अपनी मृत्यु की ओर संकेत किया और कहा ''जब तक की गेहूं का दाना भूमि में नहीं गिर जाता, वह अकेला रहता है।

120 ओह यह कितना अन्तर है जी हां श्रीमान कितना अन्तर है

परन्तु आपका जीवन और उसका जीवन एक दूसरे को पा लेते हैं कलीसिया में नहीं, भवन में नहीं, मतसार में नहीं अच्छे कार्यो में नहीं परन्तु क्रूस पर जहां आप क्रूस पर उसके साथ चढ़े, जहां आप मसीह को पाते हैं।

आप उसको अच्छा करके, नया पृष्ट उलट कर, नया जीवन

आरम्भ करके नहीं पाते, आप मसीह को नहीं पाते, आप मसीह को केवल मृत्यु में पाते हैं।

चरनी में नहीं, पाप स्वीकार किसी विशेष मतसार और कथा में विश्वास आप मसीह को वहां नहीं पाते।

121 एक सच्चा सेवक आपको उसके पास ले जाता है और वह वचन है।

आप कहते है तो फिर भाई ब्रन्हम यदि आज मसीह पृथ्वी पर है एक सच्चा दास उसे उसके पास ले जाएगा मसीह के''।

मसीह यहां पर है, वचन के रूप में और वचन जीवन लाता है क्योंकि वह जीवन है, मसीह वचन है जी हां श्रीमान वह स्वयं में वचन है, सच्चा दास सदा आपको वचन के पास लाता है।

122 अब वह वचन है, वह इस बाईबल को जीवित करता है और जब आप स्वयं मसीह के साथ मर जाते है, जैसे कि गेहूं का दाना तब वचन आपको जीता है, वही परिणाम लाता है, जैसे कि वह जीवित गेहूं के बीज में जो भूमि में बोया गया। आमीन

आप उसके पुनुरुत्थान के भागी है, आप उसके साथ उसकी सारी आशीषों में उसके सारे प्रग्टिकरण में भागी है आप उसके साथ उस सब में जो उसने किया साझी है?

अब, वह वचन है उसके सच्चे अनुवाद के साथ

123 अब आप कहते है, ओह श्रीमान हम बाईबल का विश्वास करते है, हम बाईबल का विश्वास करते हैं।

124 परन्तु अब यदि बाईबल का विश्वास करते है, तो यीशु ने इस बाईबल को कहा संत यहुन्ना 14:12 वह जो मुझ पर विश्वास करता है, वे कार्य जो मै करता हूं वह भी करेगा ''वह जो मुझ पर विश्वास करता है, वे कार्य जो मैं करता हूं वह भी करेगा''।

बाईबल की यही सच्ची व्याख्या है, क्योंकि परमेश्वर स्वयं आप में है अपने ही व्याख्या को फिर बोल रहा है महिमा हो! यही सच्ची व्याख्या है, परमेश्वर आप में स्वयं अपने वचनों की व्याख्या

कर रहा है, आमीन, क्या यीशु ने नहीं कहा, विश्वास करने वालो के यह चिन्ह होंगे''?

[सभा ''आमीन'' कहती है सम्पा.] परमेश्वर आप में, अपनी व्याख्या दे रहा है, आपको किसी की ओर नहीं देखना है, कहे की वचन यह कहता है ''इसका विश्वास करे और यह स्वयं का अनुवाद करेगा, क्योंकि यह परमेश्वर है आपको अपने वचन के अनुवाद के लिए प्रयोग कर रहा है आमीन, मसीह अपने ही वचन का जीवित व्याख्या है।

125 आईये हम कुछ को देखे कि वह कैसे वचन का अनुवाद करता है, अब यदि उसके पास सही अनुवाद है।

126 अब हम यहां मैथोडिस्ट में जाते हैं, वे कहते हैं, हमारे पास सही अनुवाद है, बेपटिस्ट वे कहते हैं, हमारे पास सही अनुवाद है, कहलाने वाला कराईस्ट ऑफ क्रिस्ट वह कहते है हमारे पास सही अनुवाद है।

उस सब के पास सही अनुवाद है? वे सब भिन्न-भिन्न है एक दूसरे से, तो फिर कहीं कोई गड़बड़ है।

127 केवल एक ही विधि है कि हम ढूंढ़ सकते है, वहीं मार्ग जो यीशु ने यहूदियों को बताया कि वचन की कैसी व्याख्या करे आमीन और यदि मसीह ने ऐसा कहा तो यह ठीक है।

128 मैथोडिस्ट कहते है ''जिस प्रकार हमारे भाई अनुवाद करते है वह सभा'' बेपटिस्ट कहते हैं ''जिस प्रकार हम व्याख्या करते हैं,'' प्रेसबिटेरियन कहते है जिस प्रकार हम इसकी व्याख्या करते हैं परन्तु तरीका यह है जो यीशु इसकी व्याख्या करता है यह ठीक बात है।

129 आईए देखे वह कैसे इस वचन का अनुवाद करता है, उसने कहा यदि मैं अपने पिता के वचन के अनुसार कार्य ना करू तो मेरा विश्वास ना करना'' यह तय हो गया।

उसने ऐसे खुलासा किया, उसने कहा, यदि तुम मेरा विश्वास नहीं कर सकते तो जो काम मैंने किए उनका विश्वास करो और यदि मैं अपने पिता के कार्यों को ना करू तो इसका विश्वास बिल्कुल ना

करो ''आमीन'' यह तय हो गया।

वह जो मुझ पर विश्वास करता है तो वे कार्य जो मैं करता हूं तुम भी करोगे अब वहां कुछ सही और कुछ गलत है या दोनों, हम क्या कर रहे हैं? हम क्या खेल कर रहे हैं?

130 तो फिर हम यहां क्या कर रहे हैं? मसीही दिखानें का नाटक कर रहे हैं और यह, वह आदि आदि कर रहे है और इन मतसारों में सदस्य हो जाओ, हाथ मिलाओ इस प्रकार के पेन्तेकोस्तल या वह या मैथोडिस्ट या प्रेसविटेरियन या बैपटिस्ट या कैथोलिक? यह सब क्या है? हम क्या कर रहे हैं खेल रहे हैं रबड़ छुपा दो, बिल्ली और चूहा? हम कहां पर हैं?

131 तो फिर एक ही मार्ग है, केवल एक ही नेव, केवल एक ही निश्चित मार्ग है, वही अनुवाद जो वचन यीशु ने दिया, हेल्लिुय्याह! वही व्याख्या है वहीं सही है कहा ''यदि मैं उन कार्यों को ना करू जो परमेश्वर ने कहा, मैं करुंगा, तो मेरा विश्वास ना करो ''आमीन, यही अनुवाद है।

132 यीशु ने कहा आज का अनुवाद'' वह जो मुझ पर विश्वास करता है।

वही कार्य जो मैं करता हूं वह भी करेगा, और वचन ने यह कहा वह कल आज और सर्वदा एकसा है यीशु ने कहा इसी से तुम जान सकते हो कि मैं परमेश्वर के पास से आया हूं या नहीं, इसी प्रकार से आप जान सकते हैं।

133 उन्होंने कहा ''एक मिनट रुको, हमारे पास अनुवाद है हमारा पिता उसने कहा हमारे पूर्वजों ने जंगल में मन्ना खाया और यीशु ने कहा वे सब मर गए'' हमने मारी हुई चटटान से पानी पिया और वे सब मर गए।

134 कहा, परन्तु जीवन की रोटी मैं हूं जो परमेश्वर के पास से आई है स्वर्ग से ''और यह मैं नहीं जो बोलता हूं, यह मेरा पिता जो मुझ में रहता है, दिव्य वचन की वही व्याख्या करता है और वह फिर सिद्ध करता है कि वह परमेश्वर है क्योंकि वह ठीक मेरे साथ करता

है जो उसने कहा कि वह करेगा'' आमीन यही पवित्र लेख है।

135 यही संदेश लोगों को देना है; ना कि पालना ना कि एक चरनी क्रिसमस पूरी बाईबल में कही इसका उल्लेख नहीं है कभी नहीं, एक बार भी यीशु ने अपने जन्म का उल्लेख नहीं किया सिवाए उसकी मृत्यु के।

136 यीशु ने कभी भी एक बार नहीं कहा ''कलीसिया के सदस्य बनो, कभी भी एक बार नहीं कहा'' मतसार का कविता पाठ को परन्तु उसने कहा ''मेरे पास आओ''।

137 और उसने कहा ''वह जो आता है, वे कार्य जो मैं करता हूं उससे भी होंगे जैसे मुझ से होते हैं।

138 क्योंकि यदि मैं अपने पिता के काम ना करू तो मेरा विश्वास ना करो क्योंकि वचन ने कहा जब मसीह आता है तो यह चीजें घटित होगीं वह एक भविष्यद्वकता होगा जी हां वह एक भविष्यद्वक्ता होगा वह मूसा के अनुसार एक नबी होगा।

लंगड़े हिरण के समान उछलेंगे, अंधे देखेंगे, बहरे सुनेंगे गूगें बोलेगें यह उसमें से होते हुए प्रगट होगा, वह कैसे मसीह के चिन्हों को दिखा सका।

अब यदि मसीह के चिन्ह मेरी सेवकाई को प्रभावित ना करे उसने कहा तो फिर मेरा विश्वास ना करो परन्तु यहां वह मार्ग है कि आप वचन की व्याख्या करते हैं उसने कहा यदि मैं यह चिन्ह ना दिखाऊं तो फिर इसका विश्वास ना करो।

परन्तु यदि मैं चिन्ह दिखाता हूं और तुम मेरे वचन कि व्याख्या का विश्वास नहीं करते, तो चिन्हों को विश्वास करो, क्योंकि वह वचन पर बोलते है,यही इसकी वास्तविक व्याख्या है यही है, यह संदेश है।

139 आपको किसी और का वचन नहीं लेना है, आपको किसी कलीसिया का सदस्य नहीं होना है, आप कलीसिया में सदस्य नहीं हो सकते, आप इस संस्थाओं में सदस्य हो सकते हैं परन्तु परमेश्वर की कलीसिया, आपको इसमे कलवरी से हो कर इसमें जन्म लेना है।

140 कहते है, परमेश्वर का धन्यवाद हो! मैं भी भाई ब्रन्हम ''तो

फिर जो कार्य यीशु ने किए हम भी करोगे, यही जो यीशु ने कहा समझे? वे काम जो मैं करता हूं.....'' क्या? उसने कहा, जो काम मैं करता हूं वे मेरी गवाही देते है, हेल्लिुय्याह! जो काम मैं करता हूं वे गवाही देते हैं।

क्या आप नहीं देखतें? दूसरे शब्दो में, मसीह के चिन्ह क्या आप नहीं देख सकते मसीह को क्या करना था? और तुम विश्वास नहीं करते, मेरे पास वचन की सही व्याख्या है तो फिर क्यो मेरा पिता इसका पक्ष ले रहा है?

आप सोचते हैं मैं आपके संस्थाओं के बहुत विरोध में हूं उसने कहा यदि आप सोचते है मैं पागल मनुष्य हूं, मुझ में शैतान है मेरा चित ठिकाने पर नहीं है।

141 उन्होंने यीशु से कहा वह पागल है ''पागल'' का मतलब ''सनकी'' तुम सनकी हो, तुम हमारे झुण्ड से नहीं हो और तुम यहां एक पागल व्यक्ति के समान हो, तुम्हारा चित ठिकाने पर नहीं है।

142 तब यीशु उन से यह कह सकता था ''तब यदि तुम परमेश्वर से हो तो परमेश्सर के चिन्ह कहां है? यदि तुमने मूसा में विश्वास किया है, तो तुम्हारे साथ मूसा के चिन्ह कहां है? यदि तुमने भविष्यद्वक्ताओं में विश्वास किया है, तो तुम्हारे साथ भविष्यद्वक्ताओं के चिन्ह कहां है?

यदि तुम विश्वास नहीं कर सकते हो कि मेरे पास सही व्याख्या नहीं है तो चिन्हों का विश्वास को क्योंकि वे मेरी गवाही देते हैं कि मैं सही हूं हेल्लिुय्याह!

वे जो मेरी गवाही देते हैं वे अभिलेख देते है कि मैं ठीक हूं या नहीं, वह सब जो पिता ने मुझे दिया है इसका अनुकरण करेगा और इस पर आएगा और कोई मनुष्य आने योग्य नहीं है जब तक की पिता ही उसे ना बुलाए'' ठीक बात है।

143 फिर भी ''उसने बहुत से कार्य किए'' बाईबल बताती है, फिर भी वे उसका विश्वास ना कर सके, क्योंकि यशायाह ने कहा उनके कान है, सुन नहीं सकते, आंखे है देख नहीं सकते वे चमगादड के

समान अंधे हैं, फिर भी वे नहीं देख सकते क्योंकि भविष्यद्वक्ता ने कहा वे नहीं देख सकते, अब आज वही बात है जो तब थी।

144 जी हां कहा यदि तुम नहीं सकते.....मैं कार्य नहीं करता, वह मैं नहीं जो करता हूं, वचनो को बोलता हूं मैं नहीं जो कार्यों को करता हूं नहीं तो, यह मेरा पिता है और यदि तुम जानते कि परमेश्वर क्या था, परमेश्वर स्रष्टिकर्ता, परमेश्वर वह जो मूसा पर था और परमेश्वर जो मूसा पर था और और परमेश्वर ने मूसा में हो कर मेरे दिन को पहले से बताया।

परमेश्वर पुराने नियम में था, उसने कहा, इतना जितना कहना है ''वह जो भविष्यद्वक्ताओं पर था, यह बताया कि मुख्य भविष्यद्वक्ता किसी दिन आएगा और उसके पास बालक जमा होंगे, यदि तुम विश्वास नहीं कर सकते कि जिस वचन कि मैंने तुम्हें व्याख्या दी है, तो फिर चिन्ह का विश्वास करो क्योंकि वे मेरे विषय में बोलते हैं।

145 ओह वे विश्वास नहीं कर सके, वे इसे देख नहीं सके, वह शरीर में परमेश्वर था, क्योंकि वह क्या था? वह प्रगट हुआ वचन था, वह वह था जिसकी प्रतिज्ञा परमेश्वर ने की थी।

146 ब्रन्हम आराधनालय सुन अपनी कमर कस लो इस बडे दिन कि बेला रात्रि में समझे?

यदि वह वह नहीं था तो परमेश्वर उसे प्रमाणित नहीं करता निश्चय ही।

147 दूसरे शब्दो में वह कह सकता था, तुम्हारे कौन से झुण्ड (फरीसी, सदूकी या वह जो भी हो सकते थे) तुम्हारे कौन से मनुष्य जो तुम्हारे महायाजक, जो तुम्हारे ज्ञानवान जिनका परमेश्वर ने अपने वचन को बोलने के लिए उपयोग किया और इसे प्रगट किया, यह कहने को कि यह सही है?

148 वे कह सकते थे भाई हमारे लोग शिक्षित है, हम बुद्धिमान है हम बाईबल को पीढ़ी दर पीढ़ी से जानते हैं।

149 तो फिर क्यों नहीं परमेश्वर ने उन में इसे फिर से जीवित नहीं रहने दिया यदि यह परमेश्वर का वचन था?

150 देखिए ''मैं और मेरा पिता एक है'' तीन नहीं ''हम एक हैं'' परमेश्वर उसमें है, परमेश्वर उसमें हो कर बोलता है, उसका अपना कुछ नहीं है, परन्तु यह परमेश्वर की आवाज मनुष्य के होटो से है हेल्लिुय्याह!

151 और आज रात्रि हर विश्वासी उसमें है, वैसे ही अपने में रखता है, इतना रखता है इतना पूर्णत: समर्पित है यहां तक की उसके वचन मसीह के वचनों के समान हो जाते हैं, वह बोलता है और वचन देहधारी हुआ, उसने बोलता है और वचन प्रगट हुआ वे काम जो मैं करता हूं तुम भी करोगे वे जो विश्वास करते उनके यह चिन्ह होंगे।

152 यशायाह ने 42वें अध्याय में कहा, हम पढ़ते हैं '' महान उजिलाया आ गया है'' उजिलाया! ओह मैं विषय से अलग नहीं हटना चाहता, परन्तु वह महान उजिलाया जो कभी उस नम्र व्यक्ति में चमका था, वह छोटा नासरी।

एक मनुष्य जिसमे सुन्दरता नहीं थी कि हम उसकी इच्छा करते, एक मनुष्य बिना शिक्षा के, संसारिक आधार पर बोल रहा हूं, एक मनुष्य जो धर्मविधी और संसार की बाते नहीं जानता, परन्तु प्रेम आत्माओं को बोध सकता मरे हुओ को जीवित कर सकता है और शैतान थरथराया।

153 ओर परमेश्वर ने उसे स्वर्ग से पहचाना और बोला ''यह मेरा प्रिय पुत्र है'' धन कुबेरो के सामने नहीं, परन्तु चुने हुए झुण्ड के सामने जिसे उसने बुलाया, महान उजियाला!

154 क्यों? उसके वचन से एक महान उजियाला चमक रहा था वचन क्या था? मसीह, वह क्या था? वचन जीवन को लाया वचन को जीवन पर लाया गया, महान उजियाला दिया उससे जो उसने कहा ''उजियाला हो जा'' उत्पत्ति एक में।

वह स्रष्टी का उजियाला था, एक मरणहार स्रष्टि जिसे गिरना ही था परन्तु उसका वचन अनन्त जीवन था और अनन्त उजियाला और जब एक मुनष्य ने विश्वास किया था उसके पास अनन्त उजियाला था।

155 उन लोगों के लिए उजियाला जो मृत्यु के अन्धकार के क्षेत्र में बैठे थे मत्ती 4 अन्यजातियों के पास ज्योति लाया जो कि बंधुआई और परमेश्वर द्वारा उनकी मूर्तियों में दोषी थे, परन्तु वह एक उजियाले के समान आया।

156 उसने क्या कहा? तेरा वचन मेरे मार्ग के लिए उजियाला है एक उजियाला जो मेरे मार्ग का उजियाला देता है मेरे पांव के लिए की मेरा मार्गदर्शन करें।

157 और आज परमेश्वर का उजियाला परमेश्वर का वचन जो प्रगट हुआ, उजियाला प्रगट हुआ, उजियाला परमेश्वर के कार्य, परमेश्वर के वचन के द्वारा बोले गए, जीवन में लाए गए और यह उससे महान उजियाला है जो सृष्टि की भोर पर था आमीन।

कुप्पी को उजियाला मार्ग पर ओह परमेश्वर!

उजियाला, वचन!

158 अंधकार में जैसा कि आज हम हैं, मतसारों और नामधारी से भरा हुआ, संवेदनाओं और धर्मान्धताओं से भरा हुआ, कब्रो और किसी भी प्रकार की आत्माओ के लिए खुला हुआ हृदय, यहां तक कि उसके वचन के सत्य होने का इन्कार करता है और कहता है ''आश्चर्य कर्मों के दिन बीत गए पवित्र आत्मा का बपतिस्मा जैसी, अन्य भाषा, भविष्यद्वक्ता और आदि आदि जैसी कोई चीज नहीं है, वे वर्षों पहले मर गए''।

159 तब परमेश्वर को अंधकार के बीच में देखने के लिए मतसार का अन्धकार, नामधारी का अन्धकार, उसके वचन को लिया लोगो के झुण्ड को लिया जो इसका विश्वास करेंगे उसके जीवन और उसकी ज्योति को चमकाएगे यह अधिक उजियाला है यह अनन्त उजियाला है उससे अधिक जो सृष्टि की प्रातः था, उजियाला हो जा और उजियाला हो गया निश्चय ही।

160 अब यीशु ने कभी नहीं कहा, था अब वह उन्हें बैतलहेम लाने जा रहा है, यीशु ने उन यूनानियों से कभी नहीं कहा, जब वे आए, अब जरा एक क्षण अब यदि आप यह देखना चाहते हैं तो मैं

तुम्हे वहां बैतलहम ले जाऊंगा जहां मैं जन्मा था और तुम्हें बताऊंगा कि कैसे घटित हुआ था।

161 यह वह नहीं था उसने उन्हें भविष्य स्थान कि ओर संकेत दिया, यदि उन्होंने उसे जानना चाहा ''यदि तुम मुझे जानना चाहते हो'' दूसरे शब्दो में मैं तुम्हें वापस नहीं ले जाऊगा कि तुम्हे बताऊ कि मैं कब बैतलहम में जन्मा था और सब उसके विषय में, मैं तुम्हे उस स्थान कि ओर संकेत करुगा जहां मैं तुम्हारे लिए क्रूस पर चढ़ने जा रहा हूं और वहां यदि तुम मेरे साथ क्रूस पर चढ़ोगे, और अपनी सलीब उठाओगे मेरे पीछे हो लोगे, तुम जान जाओगे कि मैं कौन हूं, नहीं तो, उनसे, अपनी प्राचीन कलाओ के द्वारा इसे कभी नहीं जान पाओगे, तुम कभी भी नहीं जानोंगे''।

162 ''अच्छा'' आप कहते हैं भाई ब्रन्हम, परन्तु हम इसे बाईबल के चित्रकारी से सीखते हैं, नहीं हम नहीं, हम यह बाईबल कि चित्रकारी के द्वारा सीखते है तो फिर क्यों नहीं फरीसियो ने इसे लिया? यह बाईबल कि चित्रकारी के द्वारा नहीं सीखा गया क्योंकि इसमें बहुत से चित्रकारो ने इसे रंगने का यत्न किया है परन्तु बाईबल सही है परन्तु परमेश्वर चित्रकार है।

163 आज मतसार कहता है ''इसके सदस्य बनो, यह वाली ईश्वर स्तुति बोलो, चेलो का मतसार दोहराओ, हमारी कलीसिया में सदस्य बनो, हाथ मिलाओ, पिता पुत्र पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा लो यह नामधारी का मतसार है, ठीक है, कलाकार ने चित्र को इस प्रकार नहीं रंगा।

164 कलाकार ने रंगा है कि यीशु मसीह कल आज और सर्वदा एक सा है, वह जो मेरे वचनो को सुनता और उस पर विश्वास करता जिसने मुझे भेज, जो काम मैं करता हूं वह भी करेगा, विश्वास करने वालों के यह चिन्ह होंगे, चित्रकार ने इसी प्रकार से रंगा है।

इसीलिए जब परमेश्वर इसे प्रावर्तित करता है, आप जानते हैं आपने सही चित्रकार पर है, उसके बाहर आपके पास एक झूठी प्रतिलिपी है, आमीन, उस पुरानी झूठी प्रतिलिपी को ले, किसी प्रकार का मतसार, इस चीज को आज रात्रि दरवाजे से बाहर फेक दे और

बाईबल के सुसमाचार का उजियाला ले और चित्रकार को आपके अन्दर मसीह की चित्रकारी करने दे। आमीन, यही विधि है यही है।

165 नहीं, वह उन्हें कभी भी चरनी पर नहीं ले गया, वह उन्हें बडे दिन पर कभी नहीं ले गया।

166 यशायाह ने कहा ''उसका नाम कहलायेगा.....'' उसी अध्याय में उसने कहा ''उसका नाम होगा.....'' नहीं यशायाह का 55वां अध्याय कहा उसका नाम अद्‌भुत कहलाएगा, सलाहकार, शान्ति का राजकुमार सामर्थी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता आमीन।

167 इच्छा थी कि समय होता, मुझे चाहिए, मैं इस प्रत्येक पर मूल विषय लेता ''सलाहकार, शान्ति का राजकुमार, सामर्थी परमेश्वर, अनन्तकाल का पिता और अद्‌भुत।

168 आईए जरा अद्‌भुत पर अपने विचार लाए, एक मिनट के लिए अद्‌भुत, ओह यशायाह ने कहा, वह अद्‌भुत था, आईए कुछ चीजो पर विचार करे कि उसने कहा, कि उसने उसे अद्‌भुत बनाया कि चीज ने उसे अद्‌भुत बनाया? जब उसने यह कहा मैं और मेरा पिता एक हैं'' अद्‌भुत बात।

169 मुझे बताए फरीसी क्या कह सके होंगे, मुझे बताए महायाजक क्या कह सकता होगा, परमेश्वर पक्ष ले रहा है समझे?

170 कहा यदि मैं कार्यों को ना करू, तो मैं कुछ भी कहूं मेरा विश्वास ना करना, परन्तु यदि मैं यह प्रचार करू तो ये दर्शाता है कि परमेश्वर ने मुझे यह करने को भेजा है।

171 अब कहा, और उसने कहा ''मैं और मेरा पिता एक हैं'' ना कि मैं और मेरा पिता तीन है ''यीशु ने कहा, अब मतसार कहता है मैं और मेरा पिता तीन हैं। परन्तु बाईबल ने कहा और यीशु ने कहा मैं और मेरा पिता एक हैं'' यह तो अद्‌भुत है।

देखिए कैसे परमेश्वर देहधारी हुआ? ''हेल्लिुय्याह! ना कि कोई दूसरा या तीसरा या चौथा व्यक्ति, परन्तु स्वयं परमेश्वर यीशु ने ऐसा कहा, उससे विवाद करो मुझ से नहीं मैं तो बस वहीं कह रहा हूं जो उसने कहा।

मैं और मेरा पिता एक है यह मैं नहीं जो कार्यों को करता है, यह मेरा पिता है जो मुझ में रहता है, यदि तुम मेरा विश्वास नहीं करते हो तो वचन का विश्वास करो, क्योंकि वह वचन है और देहधारी हुआ और मैं हूं, आदि में वचन था''।

172 उसी सुसमाचार का लेखक, यहून्ना ने कहा ''आदि में वचन था और वचन परमेश्वर के साथ था और वचन परमेश्वर था और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच रहा''।

173 यह उसे परमेश्वर वही व्यक्ति बनाता है, यदि परमेश्वर वचन है और वह वचन है ''मैं और मेरा पिता एक है'' तो, यह तो अद्‌भुत है! जी हां श्रीमान।

174 हम इस पर बहुत सी बाते कह सकते हैं, आश्चर्यजनक बाते उसने कहीं।

175 दूसरी बात उसने कहीं ''मैं जगत की ज्योति हूं'' मुझे बताए एक याजक यह कह सकता है, मुझे बताए एक नामधारी इस बात को कह सकता है मुझे बताए एक मतसार यह बात कह सकता है यह आश्चर्यजनक है।

176 ''मैं सत्य हूं'' ओह प्रभु! हमारे मतसार सत्य से लाखो मील दूर हैं, मतसार परमेश्वर को प्रगट नहीं कर सकता, मतसार नहीं कर सकता, जैसा ऐलिय्याह ने कार्मेल पर्वत की चोटी पर कहा'' यदि परमेश्वर, परमेश्वर है तो उसे उत्तर देने दो।

177 मतसार यह नहीं करेगा, नहीं श्रीमान।

178 परन्तु परमेश्वर यह करेगा परमेश्वर कौन है? वचन, वचन प्रगट हुआ, वह इसे करेगा।

179 मैं जगत की ज्योति हूं, मैं वह सत्य हूं जो संसार में है मैं ही मार्ग हूं उसे छोड़ और कोई मार्ग नहीं है, बस मतसार से हो कर ना जाएं ''मेरे पास आओ समझे? मैं मार्ग, ज्योति, सत्य हूं, यह सब वह था, यह अद्‌भुत वचन जो उसने कहे।

मैं मार्ग हूं मैं सत्य हूं, मैं ज्योति हूं, मैं ही आरम्भ हूं मैं ही

अन्त हूं, मैं हूं जो था जो है और आएगा।

मैं दाऊद कि जड़ और संतान हूं, मैं भोर का तारा हूं मैं अल्फा से ओमेगा तक हूं, मैं सब कुछ हूं, मैं और मेरा पिता एक है, वह मुझ में रहता है, मैं वह हूं, वह मैं हूं

180 उन्होंने कहा ''तू एक मनुष्य हो कर स्वयं को परमेश्वर बनाता है? ओ जैसा कि एक बार उसने फरीसी से कहा'' तुम गलती पर हो, परमेश्वर के वचन को नहीं जानते, ना ही परमेश्वर की सामर्थ को, इसे ना जानने के कारण तुम गलती पर हो'' निश्चय ही, आश्चर्यजनक शब्द! आश्चर्यजनक!

आइये हम अद्‌भुत कामो के विषय में सोचे, एक बार उसने क्या किया?

181 वह क्या था? यशायाह ने कहा वह अद्‌भुत होगा जब वह उसे उन सब नामो से पुकार रहा था जिससे पुकार सकता था सलाहकार शान्ति का राजकुमार, सामर्थी परमेश्वर, सदाकाल का पिता यह सब वह बस अद्‌भुत है, आश्चर्यजनक वचन!

182 अब हम एक मिनट के लिए अद्‌भुत कामों के विषय में बाते करेंगे उसने कौन से काम किए जो आश्चर्यजनक थे?

183 एक दिन एक नाईन गांव से एक अर्थी आ रही थी एक विधवा, अपने एक पुत्र के साथ जो मर गया था, अर्थी पर अकड़ा हुआ रखा था, लोथ, सुगन्ध द्रव्य लगाया हुआ, कब्र में उसे गाड़ने जा रहे थे।

वह नासरत से यात्रा करता हुआ आ रहा था, उसके पैरो में छाले, धूल, थका हुआ उसने रोने की आवाज सुनी उसने देखा, सड़क पर आ रहा था। वहां एक विधवा विलाप करती हुई आ रही थी, उसका लड़का उसका एक ही लड़का, अर्थी पर मरा पड़ा हुआ था।

184 वहां ऐसा हुआ कि वह वहां से निकला जहां पर यीशु था, मृत्यु और जीवन दोनो एक साथ नहीं हो सकते, आप जानते है, एक को तो जाना ही होगा, उसने कहा अर्थी को रोक दो और जाकर लड़के को छुआ, वह जीवन जो लड़के में था हो सकता है दो दिन पहले

चला गया होगा, वापस आ गया।

मैं देख सकता हूं कि कफन हिलना आरम्भ हो गया, देखिए लोगों ने देखना शुरू कर दिया, और वह मनुष्य जो मर गया था अपने पैरो पर खड़ा हो गया, चला गया और सम्भवतः अपनी बाहे अपनी मां के चारो ओर डाल दी, यह परमेश्वर का कार्य है, आश्चर्यजनक क्या यह नहीं था? [सभा ''आमीन'' कहती है] निश्चय ही था।

185 मैं याईर जायरस को देख सकता हूं, एक छोटा याजक, एक भला मनुष्य उसने यीशु पर विश्वास किया, परन्तु उसे चुपचाप रहना था अपने साथियो के कारण।

186 आज बहुत से छिपे हुए ऐसे विश्वासी है, वे डरते हैं कि उन्हें उनकी कलीसिया से बाहर कर दिया जाएगा समझे? डरपोक परमेश्वर उनका प्रयोग नहीं कर सकता, परमेश्वर ऐसा मनुष्य चाहता है जो पक्ष में खड़ा हो सके, यदि मौत भी हो, तो मोहर कर दे उससे ना डरो जो शरीर को नाश कर सकता है, परन्तु उससे जो शरीर को नष्ट करता और प्राण को नरक में भेजता है।

187 याईर, मैं उसे देखता हूं कि वह इस सेवक के घर को जाता है वहां जाता है जहां वह एकलौता बालक बारह वर्ष का, छोटी लड़की, अकड़ी हुई खाट पर मरी पड़ी है, उसकी छोटी सी जीवन रहित देह वहां पड़ी है, उसके छोटे छोटे पीले हाथ उसके नाखून सफेद पड़ गए उसके होट नीचे लटक गए, बुखार या किसी चीज ने उसे मार डाला।

उसकी छोटी छोटी आंखे पथरा गई और बंद हो गई, शायद उन आंखों पर कुछ रखा है, उसके बाल बने हुए है और उसके चारो ओर गुलाब आदि जैसी चीजे पड़ी है, और मां और पिता रो रहे हैं पड़ौसी रो रहे है, उसका मात्र बालक चला गया था।

188 मैं उसे कमरे में आते हुए देखता हूं आमीन और उसने चारो तरफ देखा उसने उन सब को देखा, और वे उस पर हंसना चाहते थे उसने उन्हें कमरे से बाहर कर दिया, यह आश्चर्यजनक है।

189 देखा एक मनुष्य सारी भीड़ को नियंत्रण में ले सकता है, क्यों

नहीं वे उससे कुछ कहते हैं? वे कुछ कहने से डरते थे।

190 कमरे के अन्दर गया उस छोटे ठंडे हाथ को लिया और अन्य भाषा में बोला, कहीं सामने की ओर उस बालक की आत्मा वापस आ गई और वह फिर से जीवित हो गई।

आश्चर्यजनक कार्य! जी हां यह आश्चर्यजनक कार्य थे सिद्ध कर दिया कि वह अद्‌भुत है।

191 मैं लाजर के लिए भी कह सकता हूं, जब की उन्होंने उसकी देह पर पहले ही मसाले और सुगन्ध द्रव्य चार दिन पहले मल दिए थे उसके ऊपर मसालों, की तह और तह लगा दी, और कपड़ा उसके चारों तरफ लपेट दिया इस युवा मनुष्य के और वह वहां कब्र में पड़ा हुआ सड़ रहा था।

उसकी नाक गिर चुकी थी उसके होट उसके चेहरे पर से गिर गए थे, खाल के कीड़ो ने उसे खाना आरम्भ कर दिया था और उसका प्राण चार दिन कि यात्रा पर कहीं था।

192 मैं उसे देखता हूं उसके छोटे झुके हुए कंधे ओह! प्रभु! संसार यह कह सकता होगा, इसको देखो, इस मनुष्य को देखो, इसे देखो और तुम उसे परमेश्वर कहते हो, और वह वहां कब्र परजा रहा है, मरणहार आसुओं से रो रहा है बाईबल ने कहा वह रोया, उसके गालो पर आंसू बह रहे है सिसकिया, जैसा कि वह कब्र पर जा रहा था, तब वह एक मनुष्य था।

193 परन्तु मैं उसे कहते हुए देखता हूं ''पत्थर को लुढकाओ'' आमीन, आमीन,

उसने दृश्य को बदल दिया, लाजर जो चार दिन से मरा पड़ा था, अपने पैरो पर खड़ा हो गया और फिर जीवित हो गया।

मैं देख सकता हूं मसाले उसके चारो ओर लिपटे हुए कपड़े से झड़ रहा है, कब्र? जीवन फिर वापस आ गया, बदबू चली गई नया मांस आ गया, एक आत्मा जो चार दिन से कही पर था उसकी देह में वापस आ गई, और मनुष्य अपने पैरो पर खड़ा हो गया, उसके अद्‌भुत सलाहकार होने की बाते शांन्ति का राजकुमार, सामर्थी परमेश्वर,

निश्चय ही, वह वहां था, वह था ठीक है।

194 एक स्त्री को हम कुए पर पाते हैं, जब उसने खड़े हो कर उससे कुछ मिनट बाते की और उसे बताया कि उस समय उसके पांच पति थे, उसने उससे कहा श्रीमान तुझे भविष्यद्वक्ता होना चाहिए, हम जानते है कि जब मसीह आता है तो यह उसका चिन्ह होना है, उसने कहा मैं वहीं हूं जो तुझ से बोल रहा है क्या आश्चर्यजनक नहीं था? [सभा आमीन कहती है] अद्‌भुत!

195 एक रात्रि संमुद्र में बहुत हलचल थी, वह थक कर सो गया था, एक मनुष्य के समान वह थक कर सो गया था थका हुआ था, दुष्टआत्माओं ने शपथ ली थी कि वे उसे उस रात्रि डुबाने जा रहे है।

196 और उन्होंने सोचा की अब तो उन्होंने उसे ले लिया, जब कि पतवारे टूट गई, पाल टूट गया, नाव में पानी भरने लगा और भरता जा रहा था, वे उधर पीछे की ओर भागे बोले ''क्या तुझे चिन्ता नहीं कि हम नष्ट हुए जा रहे हैं''?

197 और वह उठा और नीद से अपनी आंखो को मला कहा ओह हे अल्प विश्वासियों मैं कब तक तुम्हारे संग रहूंगा?

198 अब तुम क्या करने जा रहे हो? तुम इस तूफानी संमुद्र में क्या करने वाले हो, जब यह महान गलीली, हर लहर के साथ नीचे डूबने जा रहा है?

तुम क्या करने जा रहो हो जब की शैतान सामने पहाड़ पर बैठा हुआ है, उन लहरो को फुसफुसा कर इस प्रकार से उछाल रहा है? आप जानते है वह थका हुआ था, आप जानते है कि वह वहां पर था, यह पानी की लहरो को 30, 40 फीट ऊपर उछाल रहा था, तुम क्या करने जा रहे हो? कहा मैं कब तक तुम्हारे साथ रहूंगा?

199 अपना पैर नाव के किनारे पर रखा और कहा ''शांत रह थम जा'' और हवा थम गई, दूसरे शब्दो में उसने कहा ''हवा तू अपना मुह बंद रख लहरो वहीं वापस जाओ जहां से आई हो, यहां तक की पानी कि आवाज भी ना थी।

200 वहां खड़ा हुआ और चारो ओर देखा, पीछे गया वहां चेलो

का झुण्ड आश्चर्यचकित खड़ा था जा कर लेट गया और फिर सो गया।

201 उन्होंने कहा, यह कैसा मनुष्य है? अद्‌भुत आमीन आश्चर्यजनक! क्या आप विश्वास नहीं करते कि वह आश्चर्यजनक है? [सभा ''आमीन'' कहती है सम्पा.] निश्चय ही वह आश्चर्यजनक था, जी हां श्रीमान।

202 जब उस मनुष्य ने स्वयं ही स्वर्गो को छोड़ा, जब की सारा और सौरमंडल उसका ताज था, हर खरबो सितारे जो पृथ्वी पर लटके है, हर सितारा एक दूसरे से लाखो मील दूर है।

जब वह उस दूर्बीन से पलोमार पहाड़ से देखते है और वे बीस लाख प्रकाश वर्ष अंतरिक्ष में देख सकते है और वे सारे लाखो करोड़ो खरबो सितारें उसके ताज में है और उसने उन्हें छोड़ा कि काटो का ताज पहने, यह कौन करेगा? आश्चर्यजनक ओह प्रभु!

203 उसका वस्त्र अनन्त था, वह अनन्त जीवन के वस्त्र से ढका हुआ था, उसका आरम्भ कभी नहीं हुआ, वह बेतलहम से कभी भी आरम्भ नहीं हुआ, आप जानते है जैसा कि लोग सोचने की कोशिश करते हैं कि वह वहां से हुआ, उसका कोई आरम्भ नहीं है। आमीन

अनन्त जीवन से लिपटा हुआ, और उसे एक ओर उतार कर फैक दिया और पुराना गंदा मृत्यु का वस्त्र उसने पहन लिया आपके और मेरे लिए आश्चर्यजनक ओह, जी हां।

204 स्वर्ग उसका महल था, सारा स्वर्ग उसी का है, वह उसका महल था, कुछ भी कभी उसके साथ कभी चमक सका, और वह पृथ्वी पर आया और यहां तक कहा ''लोमडियो के भट है चिड़ियो के घोसले है, मेरे पास सर रखने को भी जगह नहीं यह आश्चर्यजनक है, क्या आप ऐसा नहीं सोचते? [सभा 'आमीन'' कहती है सम्पा.]

205 मित्रो मैंने यहां बहुत से मूल पाठ लिखे हुए है, परन्तु सम्भवतः इतना समय नहीं कि इसे ले सकू मैं जल्दी करुगा।

206 यह यीशु जिससे अपको मिलना चाहिए, ना कि नामधारी का यीशु जिसकी वे बाते करते हैं, ना कि मतसारों वाला यीशु ना कि

यीशु जो किसी प्रकार कि देतकथा का बड़ा दिन, ना कि ईस्टर के बनी-रेबिट याने खरगोश का यीशु, परन्तु कलवरी का यीशु वह यीशु जिसने चीजे एक ओर कर दी जिसके लिए भविष्यद्वक्ता बोले।

207 हम इस पर जा सके ''आश्चर्यजनक पिता, शानदार आश्चर्यजनक पिता, शानदार सलाहकार, शानदार शान्ति का राजकुमार, आश्चर्यजनक सामर्थी पिता, हम और ऐसे आगे बढ़ते जाते हैं बढ़ते हैं समझे? परन्तु सारी बातो को एक ओर करके, हम यह कहते हैं हमे मिलना ही चाहिए, यदि आप यही वह यीशु जिससे हमें मिलना चाहिए कि उसका अनन्त जीवन पाए''।

208 आप इसे मतसार में नहीं पा सकते, आप इसे कलीसिया की सदस्यता में नहीं पा सकते आप किसी प्रकार की कहानी में नहीं पा सकते जिस विषय में आप बाते करते हैं सेन्टा क्लोस, सेन्टा क्लोस के पास अनन्त जीवन नहीं है, नहीं मतसार में अनन्त जीवन नहीं है।

209 ना कि उसके वचन को जाने में, आपको देता ही नहीं, इसके जानने से यह आपको अनन्त जीवन नहीं देता ''कि उसे जाने'' बाईबल ने कहा, उसको जानना अनन्त जीवन है, उसके वचन को नहीं, उसको जानना!

210 यूनानी उससे मिलना चाहते थे, वह उस व्यक्तित्व को जानना चाहते थे ''श्रीमान हम यीशु से मिलना चाहते हैं''

211 अब आप अपनी आंखो से नहीं देखते आप अपने हृदय से देखते है, उसको देखना ''उसे समझना'' आप सीधे किसी चीज को देखते है कहते हैं ''मैं यह नहीं देखता'' परन्तु आप उसे देख रहे है परन्तु अर्थ आप इसे नहीं समझते''

212 यूनानी यीशु को जानना चाहते थे और उसने स्वयं को जानने का मार्ग दिखाया, कि उसे जाने! ना कि उसके मतसार को जानना, ना कि उसके वचन को जानना, नाकि उसके आश्चर्यकर्मों को जानना, परन्तु उसे जानना और केवल एक ही मार्ग कि आप जाने उस क्रूस पर ना कि पालने में, नहीं यह क्रूस है जो मैं देखता हूं।

213 उसने उन्हें क्रूस की ओर संकेत किया, ना कि किसी मतसार

या कोई चरनी या नामधारी किसी प्रकार का, परन्तु क्रूस कि ओर और अब आज वैसा ही है, एक सच्चा चेला यदि आप कभी यीशु के पास आए हैं, वह कभी नहीं कहेगा ''कि यीशु ने मुझ से कहा कि जा अमूक अमूक कलीसिया का सदस्य हो जा, उसने यह कभी नहीं किया वह यह आज भी नहीं करेगा नहीं।

214 आप उसे देखना चाहते है, वह आपको क्रूस कि ओर संकेत करेगा, वहां जाये और मर जाए फिर आप उसे जानेंगे यदि आप उसे जानना चाहते हैं।

215 एक बार भी उसने किसी व्यक्ति किसी मतसार कि ओर किसी नामधारी या उसके जन्म स्थल या बडे दिन का उसने उधर संकेत नहीं किया, उसने एक बार भी कभी यह नहीं किया, मैं इस पर कुछ क्षण के लिए रूक सकता हूं परन्तु मैं नहीं रुकूंगा।

अब भी यह यदि यह इतना विशेष नहीं है, यदि यीशु.....आप इसे बाईबल में कहीं भी नहीं पाएंगे, जहां उसने कभी कही किसी की ओर संकेत नहीं किया कि उसे जाने सिवाए क्रूस के यह ठीक बात है, और और यह स्वयं को अपने में क्रूस चढाना ''जब तक मनुष्य फिर से जन्म ना लें''।

तब यदि चरनी, सेन्टा क्लोस.....

216 यीशु ने कभी कोई मतसार नहीं लिखा, उसने कभी किसी नामधारी का अभिषेक नहीं किया, तो फिर क्यों हमने इतना कुछ बना लिया और यहां तक की हर जिम्मेदारी उस पर रख ली? मैं आप से यह पूछना चाहता हूं, अब बड़ा दिन।

तो फिर यह क्यों हमारी कलीसियाएं इस पर इतनी निर्भर हैं कि आपको उस कलीसिया से ही होना चाहिए, आपको यही मतसार बोलना चाहिए आपको यह और वह ही करना चाहिए।

क्यो हम इस पर इतना निर्भर करते हैं यदि यह इतना महत्वपूर्ण नहीं है? यह ये दर्शाता है कि पास विभिन्न प्रकार के चेले है, उससे जो हमारे पास हुआ करते थे, वे आपको अपनी कलिसिया में लाना चाहते हैं, उनके नामधारी में था उनके मतसार में और मसीह में नहीं

217 आज लोग यदि उन से पूछा जाए ''क्या आप एक विश्वासी हैं''? मैंने यह बहुत बार पूछा है ''क्या आप विश्वासी हैं''?

218 वे कहते हैं ओह मैं बेपटिस्ट हूं, मैं मैथोडिस्ट हूं यह ये दर्शाता है कि तो आप विश्वासी नहीं है समझे? यह ठीक बात है, बैपटिस्ट प्रेस.....'' परन्तु आप कहते हैं मैं पेन्तेकोस्तल हूं, इसका इससे कुछ भी लेना देना नहीं है, नहीं श्रीमान, एक विश्वासी नई स्रष्टि होता है, परन्तु ये जो आज उनके पास है समझे? वे क्यो यह करते हैं? कौन उनसे ऐसा कहलवाता है?

219 उस रात्रि, मैं एक अस्पताल में था, मैं एक महिला के लिए प्रार्थना करने जा रहा था जो बीमार थी, वह चंगी हो गई और मैंने कहा.....यहां एक स्त्री और उसकी मां बैठे थे, मैं समझता हूं कि वह उसकी मां थी और वह लगभग अपनी मां के समान दिखती थी

और मैं उस महिला से बाते कर रहा था मैंने कहा, अब हम प्रार्थना करेंगे

और मैं घूमा ''आप यदि हम जरा प्रार्थना करे''?

उसने कहा, ''वह पर्दा खेंच दो''

मैंने कहा ''भाई मैंने कहा यदि आप ध्यान करे यदि हम प्रार्थना करे'' उसने कहा हम मैथोडिस्ट हैं उसे पर्दे को खेंच दो

220 मैंने कहा तो मैं पर्दा खेंच दू ''मैंने कहा यदि आप बस एक मैथोडिस्ट हैं आप मसीही नहीं है, इसलिए मैं जरा.....'' जी हां

221 वे ऐसा क्यो कहते हैं? कुछ झुठे चेले उन्हें यहां तक ले आए बस वे इतना ही जानते हैं कुछ चेलो कि गलत शिक्षा, यीशु के चेले उन्हें यीशु के पास ले गए मैथोडिस्ट का चेला उन्हें मैथोडिस्ट के पास ले गया, एक बैपटिस्ट बैपटिस्ट के पास ले गया पेन्तेकोस्तल उन्हें पेन्तोकोस्तल के पास ले गया, मसीह के चेले उन्हें मसीह के पास ले गए और मसीह उन्हें कलवरी के पास ले गया यह वास्तविक बात है जी हां श्रीमान।

222 जी हां श्रीमान, वे इतनी ही दूर लाए गए, वे केवल इतनी ही दूर आ गए समझे? यदि वे कहते है भाई एक बैपटिस्ट या मैथोडिस्ट

या प्रेसबिटेरियन या जो बस इतने ही आगे वे बढ़े हैं कैथोलिक यह जो भी है, वे इतने ही आगे लाए जा सके हैं इसलिए वे इतना ही जानते हैं।

223 परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, ये चेले यीशु को जानते थे इसलिए वे उन्हें ले गए....वे यूनानियों को वहां ले गए जहां वे जानते थे कि सत्य था और मसीह का वास्तविक चेला जो कभी मसीह में पाया गया, ढूढने वालो को सीधा यीशु के पास ले गया और यीशु ने उन्हें कलवरी की ओर संकेत किया जहां वे उसके संग मरे और फिर से नया जन्म पाया, ओह! यह इतनी ही दूर है।

224 ''परन्तु श्रीमान हम यीशु में मिलना चाहते है'' प्रश्न यह था हम मतसार को नहीं मिलेंगे, हम मैथोडिस्ट को नहीं मिलेंगे हम बैपटिस्ट से नहीं मिलेंगे, हम इन में से किसी से भी नहीं, मिलेंगे, हम यीशु से मिलना चाहते हैं''।

225 मेरे भाईयों अब मुझे बंद करना है अब जरा ध्यान से सुने बंद करने से पहले कुछ थोड़ी सी टिप्पणियां क्या? मैं चाहता हूं इसे घर तक पहुंचा दू यदि मैं इसे आप के साथ लगा दूं।

226 यूनानी यीशु से मिलना चाहते थे, उसने उन्हें कभी बड़े दिन मे नहीं पाया, उन्हें कभी भी किसी संस्था में नहीं पाया, उसे किसी मतसार में नहीं पाया, उसने ऐसी चीज की और संकेत नहीं किया, क्या अब आप समझे?

परन्तु उसने उन्हें क्रूस कि ओर संकेत किया कि मर जाए, मरने को एक वास्तविक चेला कहता है ''तुम्हें मरना ही है, मैं कैसे जानू कि जब मैं मरता हूं? जब आप इस सारे वचन को सत्य जानेंगे, तब वचन तुम में रहना आरम्भ करता है।

227 अच्छा ''आप कहते हैं परन्तु हमारी कलीसिया सिखाती है.....'' मैं चिन्ता नहीं करता आपकी कलीसिया क्या सिखाती है यह तो वह जो बाईबल कहती है, जहां आप जा रहे है कि दूसरी कलीसिया कुछ भिन्न सिखाती है, परन्तु यह बाईबल एकसा ही सिखाती है।

228 और यीशु ने कहा जब कभी तुम इस वचन को स्वीकार करो

यह वचन आप में प्रगट होगा यह वही करता है जो यह कहता है, यह आप में करेगा।

ओह वे कहते हैं, आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए''

229 और बाईबल कहती है कि यीशु कल ओर आज सर्वदा एक सा है आप उस भेट को कैसे करेंगे जब यीशु ने कहा, वह जो मुझ पर विश्वास करता है कही भी किसी भी समय?

230 मरकुस 16 ने कहा, तुम सारे जगत में जा कर, हर प्राणी को सुसमाचार प्रचार करो, कहा तक? सारे जगत में, वहां तो अभी तक पहुंचा भी नहीं, ''हर प्राणी तक''।

वह जो विश्वास करता और बपतिस्मा लेगा बच जाएगा, वह जो विश्वास ना करेगा दोषी ठहरेगा और जो विश्वास करेंगे उनके यह चिन्ह होंगे, आप यही हैं, वचन ज्योति हो जाएगा, यह स्वयंम ही उजियाला देगा।

231 ना कि यदि आप पालने के पास जा सके और कहते हो ''एक छोटा बालक यहां जन्मा था'' वर्षों पहले निर्थक, इसके लिए सब प्रकार की कथाए और मतसार बताए गए, हम जानते है जान गए है कि सारी चीजे नष्ट हो जाएगी, सब कुछ मिला दिया परन्तु वहां एक चीज है जो मिली नहीं, वह पवित्र आत्मा है।

232 ओह उन में से एक कहता है ''वह ठीक यहां जन्मा था हमने उसके ऊपर आराधनालय बना दिया है, दूसरे ने कहा, वह यहां जन्मा था।

233 जैसा कि आप जानते है उनके पास कितनी कीले हैं, हम सिद्ध कर सकते है कि यही सच्ची कीले क्रूस पर थी? 19, हर एक एक कील पकड़े खड़ा है, यह हमारे पास है हेल्लिुय्याह यह हमारे पास है।

234 यह स्थान है जहां वह जन्मा था दूसरा कहता है, यह वाला स्थान है जहां वह जन्मा था, यह कहता है यह स्थान है जहां वह जन्मा था।

235 इससे क्या अन्तर पड़ता है? वह यहां इस हृदय में जन्मा था

जी हां, जब मैं मरा, वह यहां जन्मा, मैंने नया जन्म पाया यह सही है श्रीमान हम यीशु से मिलना चाहते है ठीक है।

236 अच्छा क्या मामला है? वह फिर से खो गया, लोगों ने उसे खो दिया, यह ठीक बात है, परन्तु वह फिर से खो गया इस बड़ी भीड़ में मतसारो की भीड़ आपको याद है वह एक बार खो गया था अपने अभिभावको से, वह फिर खो गया, वह खो गया।

237 इन सड़को पर जाओ, जैसा कि यह पिछले कुछ दिनो से है, इस पागल भीड़ को देखे (छक्के.....) और रगड़ और पी रहे है और अपशब्द और आलोचाए करना ''जिंगेल बेल जिंगेल बेल''

238 मसीह खो गया, वह खोया नहीं है, लोगों ने उसे खो दिया उन्होंने उसे कहां पाया? उन्होंने उसे कहां खोया? वहीं हम उसे पाएंगे परन्तु वह उनके मतसारो में खो गया और उनकी भीड़ में, वह खो गया।

239 मसीह व्यापार की भीड़ में खो गया, व्यापार की भीड़ कह रही है ''हमे बड़ा दिन मनाना है।

240 उस दिन उस महिला ने कहा, वहां खड़ी थी, जब मैं और पत्नी वहां पर खड़े थे, कहा ''कि मैंने अपने पिता के लिए शराब की एक बोतल खरीदी है, दूसरे ने कहा ''भाई मैं लेने जा रहा हूं.....''।

241 मैं आपको बताऊ कि मैं अपने पिता के लिए क्या लेने जा रहा हूं मैं उनके लिए ताश के पत्ते खरीदने जा रहा हूं और कुछ चिप्स, हम खेलेंगे बड़ा दिन मनाएंगे।

242 दूसरे ने कहा मैं अपनी मां के लिए सिगरट का डिब्बा खरीदुंगा आप उसके लिए क्या लेंगे? ''ओह हो''।

243 ओह परमेश्वर, वह खो गया, उन्होंने उसे बड़े दिन में खो दिया, उन्होंने उसे ईस्टर में खो दिया, खरगोश या एक नई टोपी, ना कि पुनुरुस्थान ना कि मसीह का जन्म।

244 उन्होंने उसे अपने मतसारों में खो दिया, जब उन्होंने उसमें से तीन तीन ईश्वर बनाए, उसे टुकड़ों में काट कर मूर्तियां बना दी, बजाए

इसके कि जाने हव कौन है, मैं और मेरा पिता एक हैं, आपने उसे खो दिया।

245 वह उनकी धार्मिकता की भीड़ में खो गया, धार्मिक भीड़ ने यह कैसे किया? वह खो गया अपनी कलीसिया से लोदेकिया में अन्तिम कलीसिया, कलीसियाई युग, यह कहा वह कलीसिया के बाहर है, ''खटखटा रहा है'' अन्दर आने का यत्न कर रहा है सारी बाईबल में सबसे दु:ख भरा दृश्य, उसके आने से पहले अन्तिम दिनों में कलीसिया की यही स्थिति है।

किसी भी कलीसियाई युग में वह कभी बाहर नहीं निकाला गया उन्हें कोई अन्तर समझ में नहीं आता, अब जब वे वास्तव में जानते है कि पवित्रता की सच्ची सामर्थ, वह उसे उस स्थान से बाहर निकाल देते हैं द्वार पर खटखटा रहा है, देखो मैं द्वार पर खड़ा हूं और खटखटाता हूं निश्चय ही।

246 उन्होंने उसे अपनी व्यापार की भीड़ में खो दिया उन्होंने उसे अपनी धार्मिक भीड़ में खो दिया, यह ठीक बात है उन्होंने उसमे से मतसार बना दिए, उन्होंने उसमे से नामधारी बना दिए, उन्होंने उसे खो दिया उन्होंने बजाए बाईबल के रीति रिवाज ले लिए, उन्होंने लोगों के विचारो को ले लिया बजाए कि परमेश्वर ने क्या कहा।

उन्होंने कहा, अपना नाम किताब में लिखवाए, हाथ मिलाए, आपको बस इतना ही करना है पिता पुत्र पवित्र आत्मा में बपतिस्मा लो, सारी बात गलत है यह ठीक बात है।

247 यही जहां भीड़ ने उसे खो दिया, जब उन्होंने उसे खोया क्यो? ना कि अपनी कलीसिया के आराधनालय में ना कि उनके जो इसे लोगों का झुण्ड कहते है, परन्तु उन्होंने जब वचन छोड़ा तब खो दिया

यदि यह.....यदि तुम मुझ में बने रहो और मेरा वचन तुम में तो तुम चाहे जो मांगो, तो तुम्हे दिया जाएगा यह तुम्हारे लिए कर दिया जाएगा, यदि तुम मुझमें बने रहो और मेरा वचन तुम में क्योंकि यह परमेश्वर, फिर से शरीर बना समझे? तुम मुझ में रहो और मेरा वचन तुम में तो चाहे जो मांगो वह तुम्हारे लिए हो जाएगा यही बात है।

148 परन्तु आज वे उसमे नहीं बने है, आज के दिन वे एक मैथोडिस्ट कल एक बैपटिस्ट अगले दिन प्रेसबिटेरियन, अभी तक उसे कहीं नहीं पाया।

149 यदि मेरा वचन तुम में बना रहे और वचन देहधारी हुआ और हमारे मध्य में वास किया हेल्लिुय्याह!

250 भाई नेविल यह इतना सत्य है [भाई नेविल कहते है ओह महिमा हो! मैं यह जानता हूं सम्पा.] वचन तुम्हारे शरीर में हुआ तुम्हारे द्वारा बोल रहा है।

251 पेन्तेकोस्तलो ने उसे खो दिया, ओह हां उनके पास वह कुछ वर्षों पहले था वह उनके पास था, परन्तु उन्होंने उसे खो दिया, उन्होंने यह कैसे किया? यह देखते हुए कौन बड़ा भवन बना सकता है ओह किस के पास बड़ी कलीसिया हो सकती है, बढ़िया प्रशिक्षित गायन मण्डली।

252 यदि कोई चीज है जो मुझे पसन्द नहीं वह अधिक प्रशिक्षित आवाज वे खड़े होंगे और ऐसे गाएंगे कि जैसे पेट में गडबड़ हो वह ''ही'' अपनी सांस तब तक बांधे रहते है जब उनका मुह काला ना पड़ जाए, वे गा नहीं रहे है वे बस शोर मचाते है।

253 परन्तु मैं जो पसन्द करता हूं अच्छे पुराने हृदय से लगने वाले पेन्तेकोस्तल, नया जन्म पाए व्यक्ति अपने हृदय से गा रहे है यदि वे अपनी राग को बांध नहीं पाते फिर उनमें आत्मा होता है आप अनुभव कर सकते है आपको छेदता है हेल्लिुय्याह मुझे यह पसन्द है, प्रभाव छोड़ने वाले पवित्र आत्मा आशीषित करता है आप जानते है, मुझे वह पसन्द है यह मेरे लिए वास्तविक है।

254 जी हां परन्तु उन्होंने उसे खो दिया, प्रशिक्षित गायन मण्डली प्रशिक्षित प्रचारक ओह प्रभु! सब प्रकार के घुंघराले बाल आप जानते है और अपना सिर इस प्रकार झुकाते हैं कि उनका चित्र लिया जाए और ओह जी हां अच्छे प्रशिक्षित, निश्चय वे है जो की अच्छे प्रशिक्षित है।

255 बड़े बड़े सण्डे स्कूल, हर कलीसिया दूसरे से बढ कर करती

है सण्डे स्कूल में और बाईबल में सण्डे स्कूल का उल्लेख तक नहीं है यह मैथोडिस्ट का सिद्धान्त है, पहले यह ''फटीचर स्कूल'' कहलाता था, अब हर कोई सण्डे स्कूल जाता है जो आराधना के लिए नहीं रुक सकता क्योंकि वे उसे जो परमेश्वर ने नहीं कहा उसे लेते है ठीक है।

256 स्मरण रखे मैंने कभी नहीं कहा मैं चीज अपने जीवन की प्रेरणा से प्रचार करता हूं, मुझे वापस लेना है जैसे मैंने अल्टर को उस दिन और आदि आदि आप जानते हैं सर्पवंश या कुछ भी उसका, कोई आए और परमेश्वर के वचन से गलत सिद्ध करे, नहीं।

257 यही जहां उन्होंने उसे खो दिया, बड़ा सण्डे स्कूल, वहां बड़ा तम्बू है, नगर के अच्छे कपड़े पहनने वाले लोग, यह पेन्तेकोस्तल है हम क्यों पहली कलिसिया से है, नगर के सबसे अच्छे लोग वहां जाते हैं।

डीकनो ने तीन चार बार विवाह कर रखा है, डीकन समीति में हैं पास्टर भी हो सकता है, आज कलीसिया सब प्रकार की अर्थहीन बाते समझे? जहां उन्होंने यह किया? उन्होंने यीशु को खो दिया।

258 अच्छा आपको मालूम है हमारा नामधारी पेन्तेकोस्तल में सबसे बड़ा है, हमारे लोग सबसे अच्छे प्रशिक्षित है वहां पर, हो सकता है वे सब हो, मैं इन्कार नहीं करता, यह सराय में जाता है और धर्मविज्ञान के क्षेत्रों में, परन्तु मैं ऐसे मनुष्य को जानना चाहता हूं जो यीशु को जानता है, उसे देखा हो और नया जन्म पाया हुआ हो और वचन में परिवर्तित हो रहा हो आप देख सकते है क्या यह उसमें नहीं है और उसने स्वयं को पूरी रीति से मसीह में दे दिया हो जब तक कि यीशु उसके द्वारा ना बोले, आप वहीं है, यह ठीक बात है और उस वचन का अनुकरण चिन्ह और चमत्कार करते हो क्योंकि यह परमेश्वर का वचन है।

260 परन्तु यदि परमेश्वर का वचन कोई निश्चित बात कहता है और उसका झुण्ड कहता है ''ओह नहीं, नहीं, नहीं, हमारा संगठन हमें बाहर कर देगा यदि हमने इसका विश्वास किया, तो फिर उसने यह वहीं कर दिया, उसने स्वयं को वहीं अलग कर लिया, बस।

आप तात्रिंक रूप में कुछ कर सकते हैं, आप किसी प्रकार का मनोरंजन कर सकते है, इसकी कल्पना करे ये, वह या आदि आदि परन्तु वास्तव में वास्तविक चीज वहां नहीं है जी हां श्रीमान।

261 ओह निश्चय ही कलीसियाए, कलीसियाए मसीह को संसार और मतसार के लिए बदल रही हैं, कलीसिया उसे बदल देने की योजना में है ओह निश्चय वे उसे बदलना चाहते है जी हां श्रीमान।

वे जाएंगे और उससे बदल लेंगे, वे उसे बदलने की योजना बना रहे हैं जो परमेश्वर ने कहा बदलना चाहते है उससे जो नामधारी ने कहा है। वैसे जो परमेश्वर ने कहा उसे जो पास्टर ने कहा बदलना चाहते है, वे उससे बदलते है जो परमेश्वर कहता है कि संस्था का अनुकरण करे, वे बदल रहे हैं।

262 क्या आप जानते? लोग खरीद रहे हैं, ओह एक बड़ा व्यापार अब चल रहा है, यह दूसरा बड़ा दिन है, एक नकली बनाया हुआ

263 हमारे पास थोड़ा सा और समय था, मैं इस विषय को एक दिन फिर से लुंगा, यहां बहुत सारा निकाल दिया है, जो कि पवित्रात्मा ने मुझे कुछ समय पहले दिया, देखा?

264 जब की कलीसिया बदल रही है कलीसिया खरीद रही है लोग जो कहलाने वाली कलीसिया हैं, जी हां श्रीमान, वे बदला कर रहे हैं, निश्चय ही वे खरीद और बदल रहे है।

वह किस के लिए खरीद रहे हैं? सबसे बड़ी कलीसिया सबसे अच्छे कपड़े पहनाने वाली भीड़, सबसे बड़ा नामधारी और लोग..... मैं कुछ कहने जा रहा हूं।

लोग आज ढूंढ़ रहे है यहां तक की पेन्तेकोस्तल, पेन्तेकोस्तल उस स्थान को पाने का यत्न कर रही है ताकि वे संसार की अधिक से अधिक चीजों को पा सके, छोटे कट बाल रंग, वे खरीद रहे हैं।

265 धन्य हो परमेश्वर मैं पेन्तेकोस्तल हूं हेल्लिुय्याह, मैं इससे हूं और ओह हमारा पास्टर यह विश्वास नहीं करता.....।

266 अब देखिए आप उसके लिए खरीददारी कर रहे हैं, जो उन्हें सबसे गन्दा रहने देता है (परमेश्वर अनुग्रह करे) वह जो उन्हें सबसे

अश्लील ढंग से जीने दे, अधिकांश संसार के समान जो वे हो सकते हैं, वे जगह जगह से खरीददारी कर रहे हैं, मसीह को छोड़ रहे हैं।

वह हर चीज को चकनाचूर करता है, उसका अर्थ यही करने में है, लोग खरीद रहे है, वे बड़े बड़े दिन की खरीददारी कर रहे हैं जहां वे मोल भाव कर सकते हैं, मोल भाव के खोजी।

267 भाई मैं भी पेन्तेकोस्तल हूं, हम वह पुराने संर्कीण विचार वाले नहीं, परन्तु बाईबल ऐसा कहती है। यदि वह मसीह का सच्चा चेला है, तो वह आपकी अगुवाई क्रूस की ओर करेगा।

268 ओह, भाई ब्रन्हम, मैं गया और मैंने अन्य भाषाओं में बात की इससे कोई अर्थ नहीं निकलता, एक दिन एक खच्चर ने यह किया जी हां श्रीमान यही है.....

269 मैं परमेश्वर के पवित्र वचन का उपहास नहीं बनाना चाहता मैं अन्य भाषा बोलने में विश्वास करता हूं।

270 शैतान भाषाओं में बोलता है लोग भाषाओं में बोल सकते हैं और किसी भी प्रकार का जीवन जीए।

271 परन्तु मेरा अर्थ यह है कि शैतान हर उस चीज की नकल करता है जो परमेश्वर ने किया, वह हर चीज की नकल कर सकता है सिवाए मसीह के वास्तविक जन्म के और वह यह नहीं कर सकता, क्योंकि आपको पहले मरना पड़ता है, तब वचन आपको उठाता है।

आप कैसे जानते है कि आप अब जीवित हो गए? जब वह वचन इसका हर वचन आप में देहधारी हो, हर बात जो बाईबल कहती है आप कहते हैं, वहीं बात, और हर चीज वैसी हो जैसा उसने कहा, यही जब ये हां है।

272 जब आपकी आत्मा उसके साथ सहमत होती है जो उसने कहा और आत्मा स्वयं को उसके वचन के द्वारा प्रगट करता है, तब आप जी रहे हैं समझे? आप खरीदने और बदलने के द्वारा और बाकी सब यह सब तय हो जाता है।

लोग खरीदारी कर रहे है और ढूंढ रहे है जहां वे संसार के अनुसार जी सकते हैं पेन्तेकोस्तल और सब, क्या आप पेन्तेकोस्तल उन

बैपटिस्टो और प्रेसविटेरियन का उपहास नहीं उड़ाते कढ़ाई केतली को गंदा नहीं कह सकती नहीं श्रीमान, नहीं वास्तव में नहीं, यह सब एक सा ही है।

इसीलिए वे खरीदारी कर रहे हैं कि ढूढ़े कहां वह एक कलीसिया में जा सकते और संख्या के सदस्य हो सकते है कि वे लोक प्रिय हो सकते है, नगर के विषय में सोचते है, जहां नगर का मेयर कलीसिया में जाता है जिस कलीसिया को वह जा सकता था, नया जन्म प्राप्त करे में बस बढ़ते हुए यह कह रहा हूं नगर की सबसे बड़ी कलीसिया।

273 मैं जानता हूं आज लोग एक छोटी सी सड़क के किनारे वाली कलीसिया कि संस्था से जुड़े हैं, परन्तु यह बहुत ही छोटी थी इसीलिए उन्होंने कहा इसीलिए हमारे बच्चे और हम सकेगे थोड़े और अच्छे विचारो के, उन्होंने एक कलीसिया से दूसरे के नाम चिट्ठी ली एक बड़ी संस्था के नाम और वहां चले गए।

और इसके अलावा, दूसरे वाले में नीचे तहखाने में चलचित्र दिखाते हैं, और वे बैंको इत्यादी एक प्रकार से खेलते है आप जानते है और ये खेल आदि आदि इस प्रकार से इसीलिए वे अपने बालको को वहां ले जाते हैं, और नीचे उनके पास पूल की टेबल है वहां वे पूल खेल सकते है और अपना मनोरंजन आदि कर सकते हैं।

और सण्डे स्कूल की क्लास 10 मिनट की होती है और फिर कॉफी पीने कि छुट्टी और फिर छोटा अवकाश ताकी पास्टर बाहर आ कर सिगरट पी सके ओह फिर हां यह ठीक बात है, मैं क्या कह रहा हूं जब तक मैं नहीं जानता कि क्या कह रहा है, यह ठीक बात है ओह निश्चय ही समझे?

274 वे खरीददारी कर रहे है यदि वे आगे बढ़ कर जिस प्रकार का जीवन वे बिताना चाहते है और चाहे जो करे जो वे चाहते है और फिर उसके बाद अनन्त जीवन की प्रतिज्ञा भी है, वे उसके लिए खरीददारी कर रहे हैं।

275 मैं आपको बता रहा हूं यदि आप खरीदना चाहते है तो कलवरी पर आए, यह तय हो गया, अपनी गंदगी, अपने पापो से मर जाए और

नया जन्म प्राप्त करे, नया

276 और यदि आप संसार से प्रेम करते हैं या संसार की चीजों से तो परमेश्वर का प्रेम आप में है नहीं, यही जो बाईबल ने कहा यह ठीक बात है।

कहते है मैं पवित्रताई में विश्वास नहीं करता, कोई आश्चर्य नहीं आप नहीं कर सकते।

277 परन्तु बाईबल ने कहा ''बिना इसके कोई परमेश्वर को नहीं देखेगा, परमेश्वर पवित्र है, यदि परमेश्वर आप में जीवित है, तो आप भी पवित्र हैं।

278 और आप मुझे बताये आप इन खान पान और पीने की छोटी पार्टियों में जा सकते हैं? बहुत सारे पेन्तेकोस्तल यह करते हैं इन पार्टियों में जाते हैं और उन स्त्रियों को ले जाते है और इस स्थानों में रहते है और नहाने के कपड़े पहन कर अपने आप को नंगा करते है और पुरुषों के सामने तैरने को जाती है जब आपके पति लोग भाई बहने और आदि आदि।

और पेन्तेकोस्तल नाहाने के कपड़ों में जाते हैं और स्वयं को दुल्हन का सदस्य कहते हैं? मसीह की दुल्हन इन कामों को नहीं करती।

279 ओह, निश्चय ही वह खरीददारी कर रहा है, इसके बाद अनन्त जीवन की प्रतिज्ञा के बजाए सरल मार्ग ले रहा है

280 यह आपके पास नहीं है जब तक यह आप में ना जीवित रहे परमेश्वर का वचन एक जीवित गवाह के समान की वह जीवित है और आप उसमें जीवित हैं ओह मेरे प्रभु ''श्रीमान हम यीशु से मिलना चाहते हैं ओह! ना कि इन मतसारों से, ना ही इस चीजों से जो लोगों ने बनाई है'' हम यीशु से मिलना चाहते हैं।

281 परन्तु वह उनके लिए खो गया ओह! क्यों? एक मिनट क्यों? वह क्यो उनके लिए खो गया? वह क्यो पेन्तेकोस्तलो के लिए खो गया, वह क्यो मैथोडिस्ट और बैपटिस्ट के लिए खो गया? वह क्यो खो गया, उन संस्थाओं के लिए? क्योंकि वे अपना गेहूं का दाना ले

कर और कलवरी पर नहीं बोएंगे, और अपने मतसार के लिए मर गए और वचन से जन्म लिया।

282 तब हम वचन के जल के द्वारा धोए गए आमीन और मसीह यीशु में नई स्रष्टी हो गए, और चिन्ह जो मसीह ने कहे उसके द्वारा हुए उनमें होंगे।

हर स्त्री अपने स्थान पर आएगी हर पुरुष अपने स्थान पर आएगा, परमेश्वर का आत्मा अपने स्थान पर आएगा, और जीवित परमेश्वर की कलिसिया बेदाग होगी, निश्चय ही आमीन जी हां श्रीमान, यह इसी प्रकार से किया गया।

283 उनके गेहूं का बीज मरा नहीं, वे अपने नामधारी को नहीं छोडेंगे वे उसे मरने नहीं देंगे।

यह बेपटिस्ट संस्था बेपटिस्ट के गेहूं के बीज को जमीन में डाल दे और उसे मरने दे; यदि मैथोडिस्ट अपने गेहूं के बीज को नीचे डाल दे यदि असेम्बली ऑफ गोड और पेन्तेकोस्तल यीशु नाम और वननैस और थ्रीनेस और सारे विभिन्न प्रकर के परमेश्वर की कलीसिया और वे सारे दूसरे, गेहूं के दाने को वचन में डाल दें और इसे मरने दे अपने ही विचारो को और इन वचन को रहने और जीवन में आने दे।

तक वे कहेंगे ''यदि तुम मेरा विश्वास नहीं करते, तो जो कार्य मैं करता हूं उसका विश्वास करो, क्योंकि ये वे है जो मेरी ही गवाही देते हैं, कार्य क्या है? यीशु ने कहा, ये कार्य, ये कार्य जो परमेश्वर ने मुझे करने को दिए और कहा जैसा पिता मुझे भेजता है वैसे मैं तुम्हें भेजता हूं।

284 वहीं कार्य जो परमेश्वर ने किए उसमें थे, उसे और पिता को एक बनाया, और यीशु का पवित्र आत्मा आप में है आप से उन्हीं कार्यों को करवाएगा, जो कार्य में करता हूं तुम भी करोगे'' निश्चय ही।

285 बीज को ना होने दे.....

उन्होंने क्या किया? केवल मृत सदस्य पाप और अपराधों में

मरे हुए, शिक्षा में मरे हुए, संसार की चीजों में मरे हुए, यह उनके लिए, यही करता है कि वे नया जन्म पाए हुए नहीं है, यही कारण है कि चिन्ह नहीं होते।

क्योंकि क्यों? केवल मरे हुए सदस्य, उसे ही सेवक होना है जिसके पास Phd Double. L-D हो इसके पहले कि वे किसी कलीसिया के पास्ट हो, और हो सकता है कि वह A B C के अक्षर ना जानते हो (Always Believe Christ) सदा मसीह पर विश्वास करो।

286 यदि उसने मसीह में विश्वास किया.....

उस दिन कोई व्यक्ति मेरे पीछे था और बोला, तुम क्यो नहीं उन लोगों को उनके हाल पर छोड़ देते हो, हमेशा उनके वस्त्रों के विषय में लताड़ते हो, वे जो चीजे करते हैं? भाई यदि आप भविष्यद्वक्ता हैं.....।

287 उन्होंने कहा लोग सोचते हैं कि तुम भविष्यद्वक्ता हो मैंने कहा, मैं जानता हूं कि उन्होंने यह कहा, मैं नहीं हूं परन्तु मैने कहा उन्होंने, उन्होंने यह कहा है।

288 कहा यदि वह आपका विश्वास करते हैं कि आप तो फिर आप उनको यह क्यों नहीं सिखाते कि दर्शन कैसे देखे और परमेश्वर के सामने कैसे चलें?

289 मैंने कहा यदि वह क ख ग नहीं जानते तो मैं उन्हें बीजगणित कैसे सिखाऊ?

यदि वह किंडरगार्डन नहीं जानते, नहीं जानते कि कैसे व्यवहार करना है, नहीं जानते कि कैसे देखना और व्यवहार करना और वस्त्र पहनना और सभ्य होना, तो आप कैसे उनको भविष्यद्वक्ता वाली चीजे सिखाने वाले हैं?

290 यीशु ने कहा यदि तुम यहां कि चीजो का विश्वास नहीं करते पृथ्वी की चीजो का, तो तुम स्वर्गिय बातो को कैसे विश्वास करने जा रहे हो?

वे चीजे जो आप स्वयं कर सकते हैं, इन चीजो को करना बंद

करें, यह भी नहीं कर सकते, तो आप आत्मिक चीजे कैसे पाने जा रहे हैं, लोगों? क्या यह ठीक बात नहीं? [सभा ''आमीन'' कहती है–सम्पा.] जी हां श्रीमान

291 केवल अपनी शिक्षा में मरे हुए, उनके पास पढ़ी लिखी भीड़ है। अब मैं यह कहते हुए बंद करने जा रहा हूं, उसके थोड़े से शब्द, मेरा बड़े दिन का संदेश है कि मैं आपको आज रात्रि क्रूस की ओर संकेत करु। आमीन

और आप गेहूं के बीज, वहां समीह में गिर जाए और मर जाए वहां आप उसका जीवन उसके वचन में पाएंगे कल आज और सर्वदा, बड़े दिन के लिए यही मेरा संदेश आपके लिए हो।

मैं आपको प्रबन्धक की ओर संकेत नहीं कर रहा हूं, कलीसिया कि ओर, नामधारी कि ओर, परन्तु श्रीमानो हम यीशु से मिलना चाहते हैं, तब मैं आपको उसकी ओर संकेत दुगा, वह आपको अपनी मृत्यु गाड़े जाने और पुनुरुत्थान की ओर संकेत करता है।

और आपका अपना गेहूं का दाना वहां गिरे और उसका वचन आप में वास्तविक होने दें और आप देखेंगे कि वह कल आज और सर्वदा एक सा है ''श्रीमान हम यीशु से मिलना चाहते हैं, वह कल आज और सर्वदा एक सा है।

आईए प्रार्थना करें

292 स्वर्गीय पिता यद्यपि समय बीत रहा है और पवित्र आत्मा लोगों के मध्य में मंडरा रहा है और आने वाला कल आराधना का दिन है अपने अपना एकलौता पुत्र संसार में भेजा।

और आज रात्रि मैंने कोशिश की है कि लोगों को चरनी की ओर संकेत ना करु, जहां वह जन्मा था, क्योंकि वह तब बालक था परन्तु वहां की ओर संकेत करने का यत्न कर रहा हूं जिस उद्देश्य के लिए वह जन्मा था ताकि वह उनका बचाने वाला हो जाए, कि वह उनका परमेश्वर हो जाए उनका, उनका, उनका, उनका राजा, उनका सब कुछ।

ताकि वे जान सके कि कौन सारे वातावरण को भरता है ताकि

वे ये जान सके, ना कि वे जो बैतलहेम में आरम्भ हुआ परन्तु वह जिसका कभी भी आरम्भ नहीं हुआ था, वह जो अनन्त परमेश्वर है, जो कि पृथ्वी पर खड़े हो कर कह सकता था मैं और पिता एक है''।

293 मैं एक चेले के समान व्यवहार करना चाह रहा हूं सबसे अच्छा जो मैं जानता हूं कि कैसे, जब भूखे हृदय के लोग चेलो के पास आए, वे सच्चे थे फिलिप्पुस और इन्द्रियास उन्हें प्रभु यीशु की उपस्थिति में ले गए, उसने उन्हें मृत्यु की ओर इशारा किया जो आने वाली थी, ताकि वे उसे जान जाए और उसे देख सके।

294 आज रात्रि पिता वैसे ही मैं उन्हें कलवरी की ओर संकेत कर रहा हूं जहां परमेश्वर कर पुत्र, परमेश्वर देह में प्रगट हुआ मनुष्य जाति का रुप धारण किया और उसमें रहा, अपनी भूमिका बदली, परमेश्वर की उस अनन्तता की महिमा से हो गया।

और अनन्त एक मनुष्य जाति हो गया, और अपना तम्बू हमारे बीच में लगाया और हम में से एक बन गया, छुड़ाने वाला एक निकट कुटम्बी की हमें वापस ले आए, उस सामर्थी परमेश्वर की वापसी में जिसने हमारी स्रष्टि की।

295 वहां वह कलवरी पर मर गया और वहां हमे उसके साथ मर जाना चाहिए जैसे वह मरा, परमेश्वर का पुत्र, परमेश्वर के पुत्र हो जाने को हमें भी मर जाना चाहिए और हमारा गेहूं का दाना उसके साथ भूमि में गिर जाना चाहिए, हमारे जीवन मरे हुए उसमे छिपे हैं।

ओह फिर उसके पुनुरुत्थान में उठे हैं, कि उसके कामों को आगे बढ़ाए, उसे वहीं परमेश्वर होने दें, जो उसमें था, वचन के प्रग्टिकरण को सामने लाए, जो अन्तिम दिन के कलीसिया का है, जैसा कि उसने प्रतिज्ञा की है।

296 परमेश्वर हम यह देखने के लिए बहुत ही आनन्दित हैं, कि उसने इसकी हर चीज को प्रमाणित किया है कि यह दिखाए की वह परमेश्वर है, वह अपने वचन को बनाए रखता है, वह महान अग्नि स्तम्भ अब भी हमारे यहां मध्य में है, महान चिन्ह और आश्चर्यकर्म जिनकी उसने प्रतिज्ञा की है वह अब भी हो रहे हैं।

297 ओह परमेश्वर हम बहुत ही आनन्दित है कि आज रात्रि की वह उद्देश्य जिसके लिए उसे पृथ्वी पर लाया गया, कि हमे अधिकार मिले कि उसके आत्मा को अपने जीवन में रखे, जो हमें अनन्त जीवन देता है, उसका वचन हमारे अपने जीवन में देहधारी हो जाए

298 प्रभु होने पाए आज रात्रि हम अपने आप को समर्पित कर दे पूरी रीति से समर्पित, इस संसार की हर चीज के लिए ताकि हम संसार की चीजो के लिए मर जाए, और मसीह में नए जीवन के लिए फिर से जी उठे, कि आने वाले वर्ष में जाए, यदि यह वर्ष बीतता है या यदि यह यहां भी हो।

प्रभु यीशु परमेश्वर का नया पात्र होने के लिए, वचन के जल से धोए गए, लोहू से होते हुए और मसीह की सेवा के लिए एक ओर रखे गए, इसे प्रदान करे प्रभु, हम अपने को आपको समर्पित करते हैं, यीशु मसीह के नाम में आमीन

तेरे समीप, तेरे समीप

तेरे समीप, तेरे समीप

जीवन की सारी तीर्थ यात्रा

बचाने वाले, मुझे अपने संग चलने दे

आईए अपने हाथों को उठाए और अपने हृदय को जैसा की हम इसे गाते हैं

तेरे समीप, तेरे समीप

तेरे समीप, तेरे समीप

जीवन की सारी तीर्थ यात्रा

बचाने वाले, मुझे अपने साथ चलने दे

299 आईए हम अपने सिरो और हृदयों को झुकाए और इसे शदभाव में गाए, परन्तु अब उसे, जैसा कि आप उसे सीधा देख रहे हैं

तेरे समीप, तेरे समीप

तेरे समीप, तेरे समीप

जीवन की सारी तीर्थ यात्रा

बचाने वाले, मुझे अपने साथ चलने दे

300 यदि अब यह आपकी गवाही है, अब अपने हाथो को उठाए कहें, तेरे समीप! सच में प्रभु, कलीसिया नहीं, आप! मतसार नहीं, परन्तु आप, ना कि खोर या एक पालना, आप! ओह परमेश्वर, आपका वचन मुझमें हो, ताकि आपके समीप रहूं''

जीवन, की सारी तीर्थ यात्रा

बचाने वाले, मुझे अपने साथ चलने थे

301 अब जबकि हम इसे फिर से गा रहे हैं, किसी का हाथ पकड़ ले कहें, मसीह मैं आपके लिए प्रार्थना करुगा, जब आप उनका हाथ लेते हैं यह यह कहते हैं मैं आपके लिए प्रार्थना करुगा मसीह, आप मेरे लिए प्रार्थना करें

तेरे समीप, तेरे समीप

तेरे समीप, तेरे समीप

जीवन की सारी, तीर्थ यात्रा

बचाने वाले, मुझे अपने साथ चलने दे

आज जैसा कि अपने अपने सिर झुकाए हुए हैं

चरणी में बहुत पहले, मैं जानता हूं वास्तव में ऐसा था एक बालक जन्मा था कि मनुष्यों को उनके पापो से बचाए यहून्ना ने उसे किनारे पर देखा, सदा काल का मेंमना ओह मसीह, कलवरी कर क्रूस पर चढ़ा हुआ

तेरे समीप, तेरे समीप

जीवन की सारी तीर्थ यात्रा

बचाने वाले, मुझे अपने साथ चलने दे

302 आप उससे प्रेम करते हैं? [सभा ''आमीन कहती है-सम्पा.] का वह अद्‌भूत नहीं? [आमीन]

लंगड़े चलने लगे, गूंगे बोलने लगे वह सामर्थ समुंद्र पर प्रेम से बोला अंधे देखने लगे थे, मैं जानता हूं यह केवल हो सकता है गलील के उस मनुष्य की दया से

अब तेरे समीप, तेरे समीप

जीवन की सारी तीर्थ यात्रा

बचाने वाले, मुझे तेरे संग चलने दे

303 आज रात्रि आपकी यह इच्छा है? कहें ''आमीन'' यदि यह है [सभा ''आमीन कहती है-सम्पा.] ओह कितना अद्‌भूत!

जीवन की सारी तीर्थ यात्रा.....हम लोग यात्री है

बचाने वाले, मुझे तेरे साथ चलने दे

304 परमेश्वर आपको अशीष दे, सही में आनन्दित नहीं बड़ा दिन परन्तु परमेश्वर की बड़े दिन की आशीषे आप पर हो, होने पाए कलवरी का मसीह, आप को अपने में छिपा ले, आपको ओढाले, आपको ऐसा लपेट ले आपको अपने वचन के अन्दर छिपा ले, जब तक उसका वचन आप में देहधारी ना हो जाए, यह मेरी प्रार्थना है परमेश्वर आपको अशीष दे, अब पास्टर भाई नेविल

श्रीमानो हम यीशु से मिलना चाहते हैं

SIRS, WE WOULD SEE JESUS

61-1224 Vol. 3-23R

यह सुसमाचार हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रन्हम के द्वारा रविवार संध्या, दिसम्बर 24, 1961 को, ब्रन्हम आराधनालय, जैफरसनविले इन्डियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रचारित किया गया। चुम्बकीस टेप रिकार्डिंग से छपे हुए पन्ने पर ठीक-ठीक मौखिक संदेश को लाने के लिए हर एक प्रयास किये गये हैं, और बिना किसी कांट-छांट किये हुए यह संदेश छापा गया है और VOICE OF GOD RECORDINGS के द्वारा निःशुल्क बांटा जाता है।

यह पुस्तक विश्वासियों के द्वारा स्वेच्छा से दिए गए दानों के द्वारा उपलब्ध करायी जाती है।

Published - 2012

VOICE OF GOD RECORDINGS

P.O. BOX 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.

VOICE OF GOD RECORDINGS INC
----------India Office----------
No 28, Shenoy Road, Nungambakkam, Chennai - 600 034, South India
Phone : 044 - 2827 4560 Fax: 044 - 2825 6970
E-mail : india@vgroffice.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org